आज का विचार

अवसर मिलने पर स्वार्थी बनने के बजाय सारथी बनने का प्रयास करें, क्योंकि सकारात्मक सोच और सही मार्गदर्शन ही जीवन को सफलता की ओर ले जाते हैं।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। सोमवार, 4 मई, 2026 वर्ष 24, अंक 106, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

जब तक पंजाब में 'आप' की सरकार है, महिलाओं को सम्मान राशि और मुफ्त बिजली मिलती रहेगी: मान

सिटी दर्पण संवाददाता

दसूहा (होशियारपुर)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज होशियारपुर जिले के दसूहा हलके के घोगरा में लोक मिलनी में विपक्ष पर सीधा निशाना साधते हुए एलान किया कि जब तक आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में है, महिलाओं को उनकी सम्मान राशि और सूबे में मुफ्त बिजली मिलती रहेगी।

इस मौके पर उन्होंने संकल्प लेते हुए कहा कि जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) अधिनियम, 2026 ने बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए स्थायी रूप से व्यवस्था कर दी है क्योंकि बेअदबी के अपराधी को अब उम्रकैद की सजा भुगतनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष की नीयत साफ होती तो बहुत पहले बेअदबी की घटनाओं का होना बंद हो सकता था।

पंजाब को नशों में डुबोने के लिए अकाली दल और सूबे को बदनाम करने के लिए हर रोज झूठा प्रचार करने वाली सभी विपक्षी पार्टियों पर बरसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार और पहले आई सरकारों में एक ही फर्क है कि अब लोगों का पैसा लोगों के पास जाता है, पहले की तरह नेताओं की जेबों में नहीं जाता।

लोक मिलनी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, सूबे की बेमिसाल तरक्की और खुशहाली से ईर्खा करते हुए पंजाब के द्रोही बुरी नीयत से मेरे खिलाफ झूठा प्रचार कर रहे हैं। ये ताकतें जो सूबे के विकास और इसके लोगों की खुशहाली की दुश्मन हैं, अब मुझे बेहूदा मुद्दों पर बदनाम करने के लिए निचले स्तर पर गिर चुकी हैं। मेरा जीवन एक खुली किताब है क्योंकि मैंने अपना सारा जीवन पंजाब और पंजाबियों की भलाई को समर्पित किया है और इस नेक काम के लिए सख्त प्रयास कर रहा हूं।

विरोधियों की नीयत साफ होती तो बेअदबी का सख्त कानून पहले ही बन गया होता, अब हमने कानून बना दिया है और बेअदबी करने पर उम्रकैद की सजा होगी : भगवंत सिंह मान

उन्होंने आगे कहा, परंपरागत पार्टियों ने हमेशा लोगों को अपना वोट बैंक समझा है और कभी उनकी भलाई की परवाह नहीं की, और वे इसे हजम नहीं कर पा रहे हैं, जिस कारण मेरे खिलाफ निराधार प्रचार कर रहे हैं। विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ये ताकतें अब निराधार, तर्कहीन और भ्रामक प्रचार से मेरी छवि खराब करने पर तुली हुई हैं, जिस कारण सूबे के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। मैं सूबे के बेमिसाल विकास को सुनिश्चित करने के लिए जी-जान से काम कर रहा हूं और प्रतिदिन हम लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए कई लोक-हितैषी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पिछली सरकारों के विपरीत, मैंने कभी भी सरकारी खजाने से एक पैसा भी नहीं मांगा, बल्कि मैंने यह सुनिश्चित किया है कि करदाताओं का एक-एक रुपया जनता की भलाई के लिए समझदारी से खर्च किया जाए।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, उनके बेटे और भाई के नाते मैं अपने पहले के नेताओं की तरह अमीरी की जिंदगी जीने के बजाय आम लोगों के दुख-दर्द बांटने पर ध्यान केंद्रित किए हुए हूं। पहले का कोई भी शासक लोगों के पास इस तरह नहीं आया था कि उनकी मुश्किलों के बारे में खुलकर बातचीत करे और उन मुश्किलों को लगन से हल करे।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, उन घमंडी सियासतदांनों ने हमेशा लोगों से मिलने के बजाय अपने महल की ऊंची दीवारों में अपने आप को सीमित रखा है और अब सूबा सरकार के हर कदम से वे बौखलाए हुए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, मैं हमेशा विकासोन्मुखी और नागरिक केंद्रित नीतियां बनाने के लिए सीधे लोगों से फीडबैक लेने के लिए मैदान में रहा हूं, जिससे पंजाब के विकास को बड़ा बढ़ावा मिला है। इससे पूरा विपक्ष सदमे में है और सभी विरोधियों ने झूठे आरोप लगाकर मुझे बदनाम करने के लिए सोची-समझी रणनीति से मेरे खिलाफ हाथ मिलाया है। उन्होंने आगे कहा, ये ताकतें मनघड़ंत और अपमानजनक कहानी गढ़कर लोगों को बहकाने की कोशिश कर रही हैं, जिसे लोग स्वीकार नहीं करेंगे और इन ताकतों को सबक सिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा, सूबे के समझदार लोग विपक्ष के इन नेताओं के संदिग्ध और धोखेबाज चरित्र से अच्छी तरह वाकिफ हैं और वे जरूर इन्हें सबक सिखाएंगे। विपक्ष के नाटक मुझे कभी भी सूबे के लोगों की सेवा से नहीं रोक सकते और मैं अपनी अंतिम सांस तक डटा रहूंगा।

विवेक विहार में रिहायशी इमारत बनी 'लाक्षागृह' एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों समेत 9 की दर्दनाक मौत

तड़के 4 बजे चीख-पुकार से दहला इलाका, नींद में ही काल के गाल में समाए लोग

एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार फेज-1 स्थित एक रिहायशी चारमंजिला इमारत में रविवार तड़के लगी आग में जान गंवाने वाले नौ लोगों की पहचान कर ली गई है। इस लाक्षागृह में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जले हैं।

पुलिस के अनुसार, दूसरी मंजिल पर पीछे वाले फ्लैट से एक परिवार के पांच लोगों के शव मिले। मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ वर्षीय पोता मास्टर आकाश जैन के रूप में हुई है। पहली मंजिल से शिखा जैन (45) का शव बरामद किया गया। तीसरी मंजिल से एक अन्य परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले, जिनकी पहचान नितिन जैन (50),

उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। हादसे में झुलसे नवीन जैन (48) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

पुलिस के अनुसार, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल विभाग के अलावा अन्य टीमें तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुंचे। दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं। दमकलकर्मियों और पुलिस ने संयुक्त राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए आग में फंसे करीब 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग पर नियंत्रण पाने के लिए 12 दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। आग बुझाई जा चुकी है। दमकल विभाग के प्रवक्ता एके मलिक के अनुसार, इस हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है। आग इमारत के छह फ्लैटों में रखे घरेलू सामान से फैली। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान विभिन्न मंजिलों से नौ झुलसे शव बरामद किए गए। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारणों से लगी हो सकती है। वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस भवन की फायर सेफ्टी व्यवस्था, निकास मार्ग और निर्माण मानकों की भी जांच कर रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने विवेक विहार हादसे पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के आग दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के हुई भीषण आग की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, दिल्ली के शाहदरा जिले में आग लगने की घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

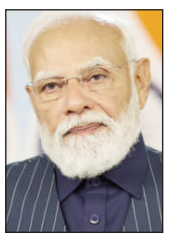

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और हर्ष मल्होत्रा ने जताया शोक

इस दर्दनाक हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, दिल्ली के विवेक विहार में हुए भीषण अग्निकांड में जानमाल की हानि से मैं अत्यंत व्यथित हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। साथ ही, मैं इस हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने जानकारी दी कि हादसे में मामूली रूप से घायल लोगों का इलाज जारी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दुख जताया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विवेक विहार अग्निकांड में 9 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इमरात में आग लगने से हुए हादसे में 9 लोगों की मौत से मन व्यथित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हादसे में घायल हुए लोगों का नजदीकी अस्पताल में उपचार चल रहा है, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पश्चिम बंगाल और असम में मतगणना आज

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता/गुवाहाटी

पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनावों के मतदान संपन्न होने के बाद अब सभी की निगाहें सोमवार को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं। निर्वाचन आयोग ने दोनों राज्यों में काउंटिंग को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। पश्चिम बंगाल की 293 और असम की 126 विधानसभा सीटों पर कल सुबह 8 बजे से मतों की गिनती शुरू होगी, जिससे स्पष्ट हो जाएगा कि दोनों राज्यों में सत्ता की चाबी किसके हाथ लगेगी।

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग ने मतगणना केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी है। राज्य की 293 सीटों (फलता विधानसभा को छोड़कर) के लिए कुल 77 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। पहले इन केंद्रों की संख्या 87 थी, जिसे आयोग ने घटाकर 77 कर दिया है। राजधानी कोलकाता की 11 सीटों के लिए 5 केंद्र निर्धारित हैं। उत्तर कोलकाता की 7 सीटों की गिनती नेताजी इंडोर स्टेडियम परिसर स्थित खुदीराम अनुशीलन केंद्र में होगी। दक्षिण कोलकाता की सीटों के लिए सखावत मेमोरियल स्कूल, सेंट थॉमस बॉयज स्कूल और बालीगंज गवर्नमेंट हाई स्कूल जैसे प्रमुख स्थानों को केंद्र बनाया गया है। उत्तर 24 परगना में सबसे ज्यादा केंद्रः राज्य में सर्वाधिक 33 विधानसभा सीटेंइसी जिले मेंहैं, जहाँ मतगणना के लिए 8 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें बारासात

आज खुलेगा 419 सीटों पर उम्मीदवारों की किस्मत का पिटारा

गवर्नमेंट कॉलेज और बिधाननगर कॉलेज जैसे संस्थान शामिल हैं। दक्षिण 24 परगना में 6, हुगली में 5, मुर्शिदाबाद में 5 और कूचबिहार में 5 केंद्र बनाए गए हैं, जबकि दार्जिलिंग और पश्चिम मेदिनीपुर जैसे जिलों में 3-3 केंद्रों पर गिनती होगी। असम में 126 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना सोमवार सुबह 8 बजे से 40 केंद्रों पर शुरू होगी। राज्य में 09 अप्रैल को हुए एक ही चरण के चुनाव में इस बार रिकॉर्ड 85.5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जिसने राजनीतिक समीकरणों को दिलचस्प बना दिया है। असम में इस बार कुल 722 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद है। सत्तारूढ़ भाजपा ने 90 सीटों पर, कांग्रेस ने 99, असम गण परिषद ने 26 और एआईयूडीएफ ने 27 सीटों पर चुनाव लड़ा है। इनके अलावा टीएमसी, आप और निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी चुनावी मैदान को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश की है। राज्य के सभी 40 मतगणना केंद्रों पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गईहै।

पंजाब का ओबीसी समाज एकजुट हो जाओ अगली बार सरकार भाजपा की होगी : सैनी

कहा , भगवंत मान बताएं , जनता से किए कितने वायदे पूरे किये ?

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के ओबीसी समाज से आान किया कि वे एकजुट हो जाएं तो अगले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता। भाजपा की सरकार सबको साथ लेकर चलती है , उसमें सभी वर्गों को बराबर प्रतिनिधित्व दिया जाता है। सैनी आज पंजाब के रूपनगर में ओबीसी समाज के सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा दो दिन पहले मजदूर दिवस के अवसर पर बुलाए गए विधानसभा के विशेष सत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्होंने मजदूर दिवस पर मजदूरों का मजाक उड़ाया है जो कि उनकी गरीब विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। लोकतंत्र का मंदिर कहे जाने वाले विधानसभा में भगवंत सिंह मान के व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता ने पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को भारी बहुमत देकर जो विश्वास जताया था , सरकार के कारनामे देख कर आज वही जनता अपने आपको ठगा-सा महसूस कर रही है। विधानसभा में लाए गए विश्वास प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उस दिन पंजाब के मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए था कि आम आदमी पार्टी ने गत चुनाव में किए गए कितने वायदों को पूरा किया है। नायब सिंह सैनी ने ओबीसी सम्मेलन में उमड़ी भारी भीड़ की तरफ मुखातिब होते हुए कहा कि यह सम्मेलन सामाजिक चेतना का एक विराट संगम है। इतनी बड़ी संख्या में इस समाज का यहां एकत्रित होना इस बात का संकेत है कि ओ.बी.सी. समाज अब अपने अधिकारों, अपने सम्मान और अपने भविष्य को लेकर जागरूक और संगठित हो चुका है।

आधार कार्ड के स्वरूप में बदलाव की खबरों को सरकार ने बताया भ्रामक

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आधार कार्ड के स्वरूप में बदलाव से जुड़ी खबरों को खारिज करते हुए बताया कि इस तरह का कोई प्रस्ताव नहीं है। मंत्रालय के अनुसार, हाल ही में कुछ समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर ऐसी खबरें प्रसारित हो रही हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि वर्ष के अंत तक आधार कार्ड को केवल फोटो और क्यूआर कोड तक सीमित कर दिया जाएगा। मंत्रालय ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताया है। मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के किसी भी बदलाव की कोई योजना नहीं है और इस संबंध में फैल रही खबरें भ्रामक हैं, जो लोगों के बीच अनावश्यक भ्रम पैदा कर रही हैं। मंत्रालय ने आम लोगों से अपील की है कि वे इस प्रकार की अपुष्ट खबरों और सोशल मीडिया पोस्टों पर ध्यान न दें तथा केवल भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और पीआईबी के आधिकारिक माध्यमों से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें। मंत्रालय ने मीडिया संस्थानों से भी आग्रह किया है कि वे ऐसी भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करें और केवल प्रमाणिक जानकारी ही साझा करें।

अब तक 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी दी नौकरी: योगी

सिटी दर्पण संवाददाता

लखनऊ

किसी नौजवान के सपने का चकनाचूर होना यह केवल उस युवा के साथ धोखा नहीं है बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य के साथ भी धोखा होता है और विकास को बाधित करता है। उत्तर प्रदेश जैसा राज्य वैसे ही बीमार नहीं हुआ इसको चयन की प्रक्रिया में भेदभाव करके बेईमानी और भ्रष्टाचार ने इस राज्य को बीमारू और अराजक प्रदेश बना दिया था। महीनों तक कर्फ्यू वाले प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश में कोई भी व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित नहीं महसूस करता था और चयन की प्रक्रिया में इतने भेदभाव होते थे कि न्यायालय को रोकना पड़ता है और हालात ऐसे थे कि अभी हमारे उपमुख्यमंत्री कह रहे थे की परीक्षा कोई और देता था और नियुक्ति पत्र कोई और प्राप्त करता था।

यह बातें रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी के लोकभवन सभागार में आयोजित नव चयनित कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) व दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए नव चयनित 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के नव चयनित 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति पत्र दिये। गोरखपुर सांसद के कार्यकाल की एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार कहीं जा रहा था 4-5 बजे का समय था, आगे हाईवे जाम था मैंने पूछा क्यों जाम है तो मुझे पुलिस के अधिकारी आए और बताया कि एक नौजवान ने सुसाइड कर लिया है। वह

चयन की प्रक्रिया में भेदभाव और भ्रष्टाचार करके उप्र को बना दिया गया था बीमारू : मुख्यमंत्री योगी

गांव जहां सुसाइड हुआ था वह मेरे संसदीय क्षेत्र का हिस्सा था तो मैं अपनी गाड़ी से उतरा मैंने कहा मैं जाकर लोगों से मिलता हूं। अधिकारियों ने मुझसे कहा कि लोगों में बड़ा आक्रोश है, आप मत जाइए, मैंने कहा भाई आक्रोश आज है तो मुझे आने वाले समय में वोट मांगने तो जाना ही है तब भी तो ये आक्रोश होगा। मैंने कहा मैं जाऊंगा, मुझे लोगों ने देखा वह शांत हुए। मैं बहुत भौचक्का देख करके मैं उस परिवार से मिला जिस परिवार के नौजवान ने आत्महत्या की थी। मैंने पूछा यह घटना कैसे घटित हुई। परिजनों ने कहा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में मेरिट में इसका नाम आया था, लेकिन इसको नियुक्ति पत्र नहीं दी गई और उसी से डिप्रेशन में आकर सुसाइड कर ली।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग की भर्ती की प्रक्रिया के बारे में और उस समय की न्यायालय की टिप्पणी के बारे में हर एक नौजवान उस समय त्रस्त था। क्योंकि 9 साल हो गए थे और उस 9 साल में काफी परिवर्तन हुआ है। आप लोग में से काफी लोग उस समय नाबालिक रहे होंगे। वह नहीं जानते हैं उस समय के बारे में यानी जो व्यक्ति एलिजिबल नहीं था वह चेयरमैन हो गया था और जिसकी स्वयं की डिग्री फर्जी थी वह आयोग का चेयरमैन बनकर सिलेक्शन कर रहा था। समाजवादी पार्टी सरकार में इस प्रकार की अराजकता होती थी पैसे का लेनदेन होता था और भर्ती नहीं हो पाती थी वर्ष 2017 के बाद नियुक्तियों और विकास कार्यों की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्य करने की इच्छा शक्ति और सरकार की स्पष्ट नीति और साफ नियति होनी चाहिए तो परिणाम भी आता है।

इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में 24 घंटे में किए 50 हमले, 41 की मौत, अभी भी मंडरा रहे ड्रोन

एजेंसी (हि.स.)

बेरूत

इजराइल ने 16 अप्रैल से लागू सैन्य विराम के बीच लेबनान पर हमले तेज कर दिए हैं। अकेले दक्षिणी लेबनान में पिछले 24 घंटों में इजरायल ने 50 हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 41 लोग मारे गए। इजराइली हमलों में अब तक अब तक 2,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इस समय समूचे लेबनान में इजराइली ड्रोन मंडरा रहे हैं।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैन्य गतिविधियां और तेज हो गई हैं। इजराइल ने शनिवार शाम से दक्षिणी लेबनान के अधिकांश इलाकों में बमबारी की है। रविवार सुबह कई शहरों में जबरदस्त धमाके हुए हैं। स्थिति बहुत तनावपूर्ण बनी हुई है। इस समय दक्षिणी लेबनान के ऊपर ड्रोन उड़ रहे हैं। बमबारी में चिहीन शहर में भारी तबाही हुई है। अल-तुफ्फाह जिले के अर-रयहान शहर में जोरदार विस्फोट हुआ है। बिगड़े हालात के बीच दक्षिणी लेबनान के लोग बाल-बच्चों के साथ पलायन कर रहे हैं। पिछले 24 घंटे से समूचा दक्षिणी लेबनान बमबारी का सामना कर रहा है।

लेबनान और इजराइल के मध्य संघर्ष का पुराना इतिहास है। दरअसल 1948 में लेबनान ने अन्य अरब देशों के साथ मिलकर इजराइल के गठन का विरोध किया था। तब से

युद्धविराम का उल्लंघन और जमीनी हकीकतः आसमान से बरस रही है आग

हिजबुल्लाह की जवाबी कार्रवाई और 'फाइबर-ऑप्टिक ड्रोन' का नया खतरा

अब तक दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक शांति समझौता नहीं हो पाया है। 1970 के दशक में फिलिस्तीन मुक्ति संगठन ने दक्षिणी लेबनान को अपना आधार बनाया और इजराइल पर हमले शुरू किए। इसके जवाब में इजराइल ने 1978 में ऑपरेशन लिटानी शुरू कर दक्षिणी लेबनान पर हमला किया। साल 1982 में पहला लेबनान युद्ध शुरू हुआ। इजराइल ने फिलिस्तीन मुक्ति संगठन को पूरी तरह खदेड़ने के लिए लेबनान पर बड़ा आक्रमण किया। इजराइल की सेना बेरूत तक पहुंच गई। इसी दौरान इजराइली के विरोध में ईरान समर्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह का उदय हुआ। 2000 में इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के अपने कब्जे वाले क्षेत्रों से अपनी सेना वापस बुला ली, लेकिन शेबा फार्म्स जैसे विवादित इलाकों को लेकर तनाव बना रहा।

साल 2006 में हिजबुल्लाह ने दो इजराइली सैनिकों का अपहरण कर लिया। इस घटना के बाद 34 दिनों तक भीषण युद्ध चला। यह युद्ध संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 1701 के बाद युद्धविराम के साथ समाप्त हुआ। अक्टूबर 2023 में हिजबुल्लाह ने हमास के समर्थन में उत्तरी इजराइल पर रॉकेट हमले शुरू किए। इसके जवाब में इजराइल ने लेबनान में हवाई हमले और सीमित जमीनी अभियान तेज कर दिए।

साल 2024 के अंत में इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए। इस साल पिछले महीने अप्रैल में अमेरिकी मध्यस्थता के बाद इजराइल और लेबनान के बीच संक्षिप्त युद्ध विराम लागू हुआ। इजराइल लेबनान में हिजबुल्लाह की मौजूदगी को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है और उसे निशस्त्र करना चाहता है। वह दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह पर लगातार हमला कर रहा है।

हिमाचल शहरी निकाय चुनाव: भाजपा-कांग्रेस की अग्निपरीक्षा

नतीजे तय करेंगे विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में होने वाले शहरी निकाय चुनाव इस बार भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा बन गए हैं। इन चुनावों को अगले साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि नगर निगम चुनाव पार्टी चिन्हों पर लड़े जाएंगे, जिससे इनका राजनीतिक महत्व और बढ़ गया है।

प्रदेश में भले ही पंचायत चुनाव भी साथ-साथ हो रहे हैं, लेकिन राजनीतिक दलों की नजर खास तौर पर शहरी निकाय चुनावों पर टिकी है। नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव भले ही पार्टी चिन्ह पर नहीं होते, लेकिन भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने समर्थित उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। इससे साफ है कि दोनों दल इन चुनावों को सीधे-सीधे अपनी ताकत की परीक्षा मान रहे हैं। राज्य में इस बार चार नगर निगम मंडी, सोलन, पालमपुर और धर्मशाला में चुनाव होने हैं। 2021 में हुए पिछले नगर निगम चुनावों में धर्मशाला और मंडी में भाजपा ने जीत दर्ज की थी, जबकि पालमपुर और सोलन में कांग्रेस ने बाजी मारी थी। उस समय प्रदेश में भाजपा की सरकार थी, जबकि इस बार कांग्रेस सत्ता में है। ऐसे में यह चुनाव इस बात का भी संकेत देंगे कि सत्ता परिवर्तन के बाद शहरी मतदाता किस दल के साथ खड़े हैं।

कांग्रेस ने इन चुनावों को गंभीरता से लेते हुए अपने अनुभवी नेताओं और मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर को सोलन, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह को मंडी, तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी को पालमपुर और एचपी डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष आरएस बाली को धर्मशाला नगर निगम में जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं भाजपा ने भी अपने मजबूत चेहरों को मैदान में उतारा है। धर्मशाला में पवन काजल और सुधीर शर्मा, पालमपुर में विपिन परमार और राजेश ठाकुर, मंडी में पायल वैध और अनिल शर्मा, जबकि सोलन में संजीव कटवाल और बलबीर वर्मा को चुनावी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन चुनावों के नतीजे न सिर्फ स्थानीय स्तर पर नेतृत्व तय करेंगे, साथ ही यह भी साफ करेंगे कि प्रदेश की जनता मौजूदा सुक्खू सरकार की नीतियों और कामकाज से कितनी संतुष्ट है। इस साल के बजट में सरकार कोई बड़ी राहत नहीं दे सकी, जिसे लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। कांग्रेस का कहना है कि केंद्र सरकार के सौतेले व्यवहार और रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद होने से राज्य की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई है, जबकि भाजपा केंद्र के सहयोग का हवाला देते हुए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहरा रही है।

बता दें कि चुनावी प्रक्रिया के तहत राज्य के 51 शहरी निकायों के लिए कुल 1426 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं। इनमें चार नगर निगम, 25 नगर परिषद और 22 नगर पंचायत शामिल हैं। नामांकन पत्रों की जांच 4 मई को होगी और 6 मई तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 17 मई को सुबह 7 बजे से शाम 3 बजे तक ईवीएम के जरिए होगा। नगर परिषद और नगर पंचायत के नतीजे उसी दिन आएंगे, जबकि नगर निगमों की मतगणना 31 मई को होगी। कुल 3 लाख 60 हजार 859 मतदाता इन चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

भाजपा ने पंचायत-निकाय चुनाव के लिए बनाई रणनीति, सरकार के वादों और व्यवस्था पर उठाए सवाल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में होने वाले पंचायत और शहरी निकाय चुनावों से पहले भाजपा ने अपनी चुनावी रणनीति को धार देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में रविवार को शिमला के चक्कर स्थित पार्टी कार्यालय दीप कमल में भाजपा पंचायतीराज एवं नगर निकाय चुनाव प्रबंधन समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक विपिन परमार ने की, जिसमें कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में आने वाले नगर निगम और अन्य शहरी निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी नेताओं ने संगठन को मजबूत करते हुए चुनाव मैदान में उतरने की रणनीति बनाई। इसके साथ ही जिला परिषद चुनावों में भाजपा की भागीदारी को और प्रभावी बनाने के लिए मंडल और जिला स्तर से मिले सुझावों पर भी विचार किया गया। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में विपिन परमार ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार के खिलाफ लोगों में गहरा असंतोष है और जनता अब बदलाव के मूड में है। उनके मुताबिक यह चुनाव अगले विधानसभा चुनाव से पहले सेमीफाइनल की तरह हैं, जिसमें कांग्रेस को जनता का रुख साफ नजर आ जाएगा। महिलाओं से जुड़े मुद्दे पर भी भाजपा ने सरकार को घेरा। विपिन परमार ने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन अब तक यह वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय बीत जाने के बाद भी किसी महिला को यह राशि नहीं मिली, जिससे लोगों में नाराजगी है। उनके अनुसार इस वादे को पूरा न करने से सरकार की नीयत पर सवाल उठते हैं। भाजपा नेता ने स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने रामपुर के खनेरी स्थित नर्सिंग संस्थान के हालिया मामले का जिक्र करते हुए कहा कि वहां दो छात्राओं के टीबी से संक्रमित होने और अन्य छात्राओं को एहतियातन दवा देने की घटना चिंताजनक है। उनके मुताबिक यह मामला स्वास्थ्य संस्थानों की स्थिति और सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संस्थान में लंबे समय से कई तरह की अनियमितताएं चल रही हैं, जैसे मेस का टेंडर न होना और भोजन की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें।

मंडी नगर निगम चुनाव: बागियों ने उड़ाई भाजपा कांग्रेस की नींद

मंडी। शिमला के बाद प्रदेश के दूसरे बड़े शहर मंडी की नगर निगम में भाजपा कांग्रेस के बागियों ने दोनों ही दलों की नींद उड़ा दी है। टिकट न मिलने से नाराज उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ ताल ठोक दी है। कांग्रेस पर आरोप लग रहा है कि इस चुनाव का प्रभारी तो विक्रमादित्य सिंह को बना रखा है मगर पार्टी ने वीरभद्र समर्थकों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया कॉर्डिनेटर रहे आकाश शर्मा, चार बार पार्षद रही एडवोकेट अलकनंदा हांडा के टिकट काट दिए गए हैं। दोनों ही वीरभद्र समर्थकों में शुमार रहे हैं। इसी तरह दूसरे भी कई नाम ऐसे हैं। इन दोनों ने भी बगावत कर आजाद तौर पर ताल ठोक दी है। आरोप है कि कांग्रेस के दिग्गज नेता ठाकुर कौल सिंह के भतीजे प्रवीण कुमार ठाकुर को टिकट देने के चक्कर में खलियार वार्ड एक से अलकनंदा जैसी दिग्गज का टिकट काट दिया। कांग्रेस में पूरी तरह से परिवारवाद का कब्जा हो गया है। कौल सिंह ठाकुर और उनकी बेटी जिला अध्यक्ष चंपा ठाकुर नगर निगम के चुनाव के लिए टिकट आवंटन में हावी रहे हैं। इधर, भाजपा में भी

खलबली मची हुई है। नगर निगम के वार्ड नंबर 12 नंबर उपमहापौर रही माधुरी कपूर के पति अनिल कपूर व भाजपा की विचारधारा के एक अन्य दिग्गज चंद्रशेखर वैद्य ने ताल ठोक कर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी। वार्ड नंबर 14 बैहना से निवर्तमान पार्षद कृष्ण भानु भी टिकट न मिलने से खफा है और आजाद उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतर गए हैं। तल्याहड़ से निवर्तमान पार्षद सुदेश सेन ने भी अपना पर्चा वार्ड नंबर 7 से कवरिंग उम्मीदवार के तौर पर दाखिल करके नया दांव खेला है। भाजपा के लिए समखेतर 11 नंबर वार्ड से निखिल वालिया, वार्ड नंबर एक खलियार से राजीव वैद्य ने ताल ठोक कर मुश्किलें पैदा कर दी हैं। हैरानी की बात तो यह है कि पहली बार ऐसा हुआ है कि जिन तीन वार्डों खलियार, समखेतर व भगवाहन में खत्री समुदाय का दबदबा रहता है, वहां से भाजपा-कांग्रेस ने कोई खत्री उम्मीदवार नहीं उतारा है। केवल भाजपा ने सरिता शर्मा हांडा को टिकट दिया है जो पुरानी मंडी अपने मायके से चुनाव लड़ेगी। ऐसे में लगभग 12 हजार वोटों वाले इस समुदाय में अच्छी खासी नाराजगी है।

सीबीएसई सब-कैडर परीक्षा का परिणाम घोषित, बोर्ड ने जारी की फाइनल 'आंसर-की'

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला ने रविवार को सीबीएसई सब-कैडर स्क्रीनिंग टेस्ट-2026 के परिणामों की घोषणा कर दी है। बोर्ड ने न केवल अभ्यर्थियों के व्यक्तिगत अंक सार्वजनिक किए हैं, बल्कि पूरी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए अंतिम उत्तर कुंजी भी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। बोर्ड के इस कदम से उन हजारों अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हो गया है, जिन्होंने मार्च माह में आयोजित इस परीक्षा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि 22 मार्च 2026 को कुल 27 विभिन्न विषयों और पदों के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया था। परीक्षा के उपरांत बोर्ड द्वारा प्रोविजनल आंसर की जारी कर अभ्यर्थियों से आपत्तियां मांगी गई थीं। डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि प्राप्त हुई सभी आपत्तियों का विषय विशेषज्ञों द्वारा गहनता से विश्लेषण और समीक्षा की गई।

विशेषज्ञों की इन्हीं अंतिम सिफारिशों के आधार पर ही 'फाइनल आंसर की' तैयार की गई है, जिसके बाद परिणाम को अंतिम रूप दिया गया।

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि बोर्ड का प्राथमिक लक्ष्य भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना है। इसी उद्देश्य के साथ बोर्ड ने निर्णय लिया है कि अभ्यर्थी अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org पर जाकर अपने व्यक्तिगत अंक और परिणाम देख सकते हैं। इसके साथ ही, सभी 27 विषयों की फाइनल उत्तर कुंजियां भी पोर्टल पर उपलब्ध करवा दी गई हैं, ताकि अभ्यर्थी अपने प्रदर्शन का मिलान विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित उत्तरों से कर सकें।

174 ग्राम अफीम सहित किरायेदार को दबोचा

नाहन। जिला सिरमौर की विशेष जांच इकाई नाहन ने थाना पांवटा साहिब के क्षेत्राधिकार में नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 174 ग्राम अफीम बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार 2 अप्रैल को एसआईयू टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहन लाल गादरी पुत्र चतरभुज गादरी, स्थायी निवासी वार्ड नं0 3, गादरी मोहल्ला, गांव नंदसाह/खालसा, तहसील शारदा, जिला भीलवाड़ा, राजस्थान, उम्र 45 वर्ष के कब्जे से 174 ग्राम अफीम बरामद की। आरोपी वर्तमान में जसविंदर सिंह निवासी कपूर बार, मेहताब गली, राजबन रोड, बद्रीपुर के पास, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर में किरायेदार के रूप में रह रहा था। आरोपी के विरुद्ध थाना पांवटा साहिब में धारा 18 ठउद्धर अू३ 1985 के तहत अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस मामले की जाँच कर रही है।

आनी सड़क हादसा : शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने आईजीएमसी में घायलों का जाना हाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

कुल्लू जिला के आनी क्षेत्र में शनिवार शाम हुए सड़क हादसे के बाद शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने रविवार को शिमला स्थित इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (आईजीएमसी) पहुंचकर घायल शिक्षकों का कुशल-क्षेम जाना। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती शिक्षकों से मुलाकात कर उनका हालचाल पूछा और उनके इलाज की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से विस्तृत जानकारी ली।

शिक्षा मंत्री ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि घायलों को किसी भी तरह की कमी के बिना बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में सरकार पूरी तरह से घायलों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है और इलाज में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। रोहित ठाकुर ने इस हादसे में

चार शिक्षकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने दिवंगत शिक्षिकाओं की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है और शिक्षा विभाग के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार और शिक्षा विभाग मृतकों के परिजनों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।

बता दें कि ये हादसा तब हुआ, जब आनी उपमंडल में शिक्षिकाएं स्कूल से छुट्टी के उपरांत एक जीप में सवार होकर घर लौट रही थीं। इसी दौरान आधे सफर में शमशर-गुगरा सड़क पर आंधी के कारण पहाड़ी से विशालकाय पेड़ उखड़कर चलती जीप पर जा गिरा और जीप खाई में गिर गई। हादसे में चार शिक्षिकाओं की मौत हो गई, जबकि चालक समेत 3 घायल हुए।

संक्षिप्त-समाचार

पुलिस ने पुलवामा में अवैध लकड़ी तस्करी के प्रयास को किया विफल

पुलवामा। अवैध लकड़ी की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई में पुलवामा में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अवैध वन लकड़ी को छुपाने के प्रयास को सफलतापूर्वक विफल कर दिया और संगेरवानी क्षेत्र में एक अच्छी तरह से समन्वित छापेमारी के दौरान अवैध रूप से संग्रहीत लकड़ी की पर्याप्त मात्रा बरामद की। पुलिस चौकी संगेरवानी द्वारा सोनाबंजर निवासी निजाम-उद-दीन डोई के पुत्र लियाकत अहमद डोई के रूप में पहचाने गए एक व्यक्ति द्वारा बड़ी संख्या में अपने कोठे में छुपाई गई अवैध वन लकड़ी के संबंध में प्राप्त विश्वसनीय जानकारी पर कार्रवाई की गई। वन तस्करी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा तुरंत एक विशेष छापेमारी शुरू की गई। ऑपरेशन में वन विभाग के अधिकारी भी शामिल थे। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने उक्त स्थान से 06 लकड़ी के बीम और 07 कच्चे गोल लट्ठे बरामद कर जब्त कर लिए। बाद में बरामद लकड़ी को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया। इस संबंध में, एफआईआर संख्या 76/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303 और वन अधिनियम की धारा 26 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाने और पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ने वाली गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बडगाम में एनडीपीएस अधिनियम में आवासीय संपत्ति जब्त की

बडगाम। नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ महत्वपूर्ण कार्रवाई में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बडगाम में एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक आवासीय संपत्ति जब्त की है। बीरवाह पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68-ई और 68-एफ के तहत कुर्की/जब्ती की कार्रवाई की गई है। जब्त की गई संपत्ति बडगाम जिले के बीरवाह तहसील के वारगाम निवासी गुलाम रसूल मीर का एक मंजिला आवासीय मकान है। यह संपत्ति नशीले पदार्थों से संबंधित गतिविधियों की आय से अवैध रूप से अर्जित की गई पाई गई है। मालिक को उक्त संपत्ति बेचने, पट्टे पर देने, हस्तांतरित करने या उसमें किसी तीसरे पक्ष का हित बनाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कार्रवाई मादक पदार्थों के तस्करों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को निशाना बनाकर और मादक पदार्थों के व्यापार को बढ़ावा देने वाले वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करके मादक पदार्थों के खतरे को रोकने के लिए पुलिस के दृढ़ संकल्प को दशार्ती है। पुलिस ने आम जनता से सहयोग करने और मादक पदार्थों के दुरुपयोग या तस्करी के संबंध में जानकारी साझा करने का आग्रह किया है।

पहलगाम हमले के बाद से बगलिहार बांध के सभी गेट बंद, क्षेत्र में जल प्रबंधन पर असर

रामबन। रामबन जिले में चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के सभी गेट सिंधु जल संधि के निलंबन के एक साल बाद भी बंद हैं। पहलगाम हमले के बाद से फाटकों के लगातार बंद रहने से क्षेत्र में जल प्रबंधन और जलविद्युत संचालन पर असर पड़ रहा है। बगलिहार जलविद्युत परियोजना चिनाब नदी पर एक प्रमुख बुनियादी ढांचा हमले के मद्देनजर निर्णय लिए जाने के बाद से कड़ी निगरानी में है। जम्मू और कश्मीर के रामबन जिले में स्थित बगलिहार बांध चिनाब नदी पर जलविद्युत उत्पादन और जल विनियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके गेट बंद करने को संधि निलंबन से जुड़े व्यापक उपायों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। शत्रुता की समाप्ति पर एक समझौते पर पहुंचने के बावजूद सिंधु जल संधि पर भारत सरकार की स्थिति अपरिवर्तित बनी हुई है। सिंधु प्रणाली में मुख्य सिंधु नदी, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलज शामिल हैं। बेसिन मुख्य रूप से भारत और पाकिस्तान द्वारा साझा किया जाता है, चीन और अफगानिस्तान के लिए एक छोटा सा हिस्सा है। 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि के तहत तीन नदियों अर्थात रावी, सतलज और ब्यास (पूर्वी नदियां) का औसत लगभग 33 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पानी भारत को विशेष उपयोग के लिए आवंटित किया गया था। लगभग 135 एमएएफ का औसत प्रवाह ले जाने वाली पश्चिमी नदियां सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान को आवंटित की गईं, जबकि भारत ने संधि के तहत निर्दिष्ट घरेलू, गैर-उपभोग्य और कृषि उपयोग के लिए सीमित अधिकार बरकरार रखे। भारत को पश्चिमी नदियों पर रन-ऑफ-द-रिवर (आरओआर) परियोजनाओं के माध्यम से पनबिजली उत्पन्न करने का अधिकार भी दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत तस्करों पर कार्रवाई की तेज

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी और मादक द्रव्यों के सेवन पर अपनी बहु-आयामी कार्रवाई तेज कर दी है और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रासंगिक रूप से, ड्रग तस्करों को लक्षित करने, नशीले पदार्थों से जुड़े वित्तीय नेटवर्क को खत्म करने और सार्वजनिक जागरूकता को मजबूत करने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शुरू किया गया अभियान पूरे जोरों पर चल रहा है। सूत्रों ने कहा कि अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात के एजेंडे में शीर्ष पर है जिन्होंने कई समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता की और अधिकतम परिणाम प्राप्त करने के लिए जिलों का दौरा किया। यह अभियान 11 अप्रैल, 2026 को शुरू हुआ और 26 अप्रैल, 2026 तक एनडीपीएस अधिनियम और संबंधित कानूनों के तहत 378 मामले दर्ज किए गए जिसमें 431 ड्रग तस्करों पर मामला दर्ज किया गया।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक मुद्रक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित-160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

एक किलो 117 ग्राम चरस के मामले में मुख्य तस्कर मंडी से गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

जिला कांगड़ा पुलिस की विशेष टीम द्वारा बीते 29 अप्रैल को पकड़े गए एक किलो 117 ग्राम चरस के मामले में मुख्य तस्कर को मंडी जिला के बालीचौकी से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान दलीप सिंह पुत्र भाग सिंह, निवासी गांव भाऊगी, डाकघर व तहसील बाली चौकी, जिला मण्डी उम्र 53 साल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना लंबागांव में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है।

गौरतलब हो कि बीते 29 अप्रैल को गश्त के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर एक आल्टो कार नम्बर एचपी53-6640 में सुरेन्द्र कुमार पुत्र, देवी दास, निवासी गांव हरतारा, डाकघर नगेहर तहसील बैजनाथ, जिला कांगड़ा उम्र

49 वर्ष के कब्जे से एक किलो 117 ग्राम चरस बरामद करने में सफलता प्राप्त की थी। जिस पर उपरोक्त आरोपी के विरुद्ध पुलिस थाना लंबागांव में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करके इसे मौका पर गिरफ्तार किया गया था। वहीं बाद में गहन जांच व तकनीकी विश्लेषण से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस को यह महत्वपूर्ण सुराग मिला कि उक्त आरोपी से बरामद की गई चरस बालीचौकी, जिला मण्डी निवासी दलीप सिंह ने उपलब्ध करवाई थी। इसके उपरांत तुरन्त उक्त मुख्य चरस तस्कर को पकड़ने के लिए एक विशेष गुप्त टीम का गठन करके हर सम्भव जगहों पर दबिश दी गई। आखिरकार कड़ी मेहनत व लगातार दबिश के परिणामस्वरूप मुख्य तस्कर दलीप सिंह को बालीचौकी के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

टटियाना बना मिसाल: बिना चुनाव, सर्वसम्मति से चुने प्रतिनिधि

नाहन। सिरमौर जिला में शिलाई विधानसभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत टटियाना में आज एक ऐसी परंपरा को आगे बढ़ाया गया, जो लोकतंत्र की सादगी, पारदर्शिता और सामाजिक एकता की मिसाल बनती जा रही है। पंचायत प्रतिनिधियों का चयन सर्वसम्मति से शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें किसी प्रकार का चुनावी मुकाबला, प्रचार या खर्च देखने को नहीं मिला। दरअसल, वर्ष 2020 में गांव के बुद्धिजीवियों और वरिष्ठ नागरिकों द्वारा एक अनोखी व्यवस्था शुरू की गई थी। इस व्यवस्था के तहत पूरे गांव के चार बड़े परिवारों से नामित प्रतिनिधियों के नाम पर्चियों में डालकर चयन किया जाता है। यह प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और आपसी सहमति पर आधारित होती है। इसी परंपरा को निभाते हुए आज निम्न प्रतिनिधियों का चयन किया गया। प्रधान पूनम शर्मा, उप प्रधान दाता राम शर्मा, बीडी सी सदस्य प्रियंका शर्मा। गांव में इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य आपसी भाईचारा बनाए रखना, चुनावों में होने वाले अनावश्यक खर्च से बचना और बिना किसी विवाद के शांतिपूर्ण तरीके से नेतृत्व का चयन करना है। खास बात यह रही कि पूरे चयन प्रक्रिया के दौरान गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और सभी वर्गों के लोगों ने मिलकर इस निर्णय का स्वागत किया।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ड्रग्स, नार्को आतंकवाद के खिलाफ अभियान शुरू किया

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को श्रीनगर में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नार्को-आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया और जम्मू-कश्मीर से इस खतरे को खत्म करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उपराज्यपाल कार्यालय की अगुवाई वाली इस पहल का उद्देश्य नशीले पदार्थों के प्रसार पर अंकुश लगाने नशीली दवाओं के नेटवर्क को खत्म करने और क्षेत्र में नार्को-आतंकवाद के बढ़ते खतरे को संबोधित करने के प्रयासों को तेज करना है।

अधिकारियों ने कहा कि अभियान में कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा समन्वित कार्रवाई जागरूकता अभियान और नशीली दवाओं के तस्करों और उनके नेटवर्क की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सख्त निगरानी शामिल होगी। उपराज्यपाल ने युवाओं,

नागरिक समाज और समुदाय के नेताओं से नशीली दवाओं के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह करते हुए सामूहिक जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने दोहराया कि प्रशासन मादक पदार्थों की तस्करी और संबंधित गतिविधियों में शामिल लोगों के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएगा। यह अभियान नशा मुक्त समाज सुनिश्चित करने और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

मौसम हमीरपुर, बिलासपुर, सिरमौर, ऊना और कांगड़ा में कई जगह बिजली की तारें टूटी, बिजली आपूर्ति बाधित

हिमाचल में आंधी-बारिश से जनजीवन प्रभावित, 7 मई तक अलर्ट

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में मई महीने की शुरूआत ही मौसम के कड़े तेवरों के साथ हुई है। आमतौर पर इस समय जहां तेज धूप और गर्मी का असर देखने को मिलता है, वहीं इस बार रविवार को सुबह से शाम तक आंधी, तूफान, बारिश और बिजली कड़कने ने पूरे प्रदेश में कोहराम मचा दिया। अचानक बदले मौसम ने लोगों को हैरान कर दिया और जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने आगामी 7 मई तक राज्य में मौसम के खराब रहने का अलर्ट जारी किया गया है।

राज्य के कई इलाकों में तेज आंधी चली, जिससे नुकसान की खबरें सामने आई हैं। शिमला, हमीरपुर, बिलासपुर, सिरमौर, ऊना और कांगड़ा में कई जगह बिजली की तारें टूट गईं और बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कई जगह पेड़ों की बड़ी-बड़ी शाखाएं भी टूट कर रास्तों व सड़कों गिर गई, जिससे

आवाजाही प्रभावित हुई। शिमला शहर के कई वार्डों में बिजली की तारें टूटने से बिजली आपूर्ति दिन भर ठप रही। आंधी से कई जगह टीन की चादरों से बने अस्थायी घरों की छतें उड़ गईं, जबकि शादी समारोहों के लिए लगाए गए टेंट भी तेज हवाओं में उखड़ गए। इन दिनों शादियों का सीजन चल रहा है, ऐसे में मौसम ने कई परिवारों की तैयारियों पर पानी फेर दिया। निचले और मैदानी इलाकों में बेमौसमी बारिश और आंधी ने किसानों को बड़ा झटका दिया है। गेहूं की फसल, जिसकी कटाई और पिसाई का काम इन दिनों जारी है, भारी बारिश से भीगकर खराब हो गई। इससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं, शिमला और कुल्लू के ऊपरी क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज हवाओं से सेब की फ्लॉवरिंग झड़ गई है, जिससे इस साल सेब उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। राजधानी शिमला में भी मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह 9 बजे के करीब घने बादल छा गए और तेज बारिश के साथ अंधेरा सा माहौल बन गया। ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को फिर से गर्म कपड़े निकालने पड़े। मनाली सहित अन्य हिल स्टेशनों में भी ठंड बढ़ गई है, जबकि निचले इलाकों में मौसम सुहावना हो गया है और गर्मी का असर फिलहाल कम हो गया है।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चले गए हैं। बीते 24 घंटों में पालमपुर में 30 मिमी, रामपुर में 29 मिमी, सराहन में 28 मिमी, रोहड़ू में 25 मिमी, अग्घर में 24 मिमी और बिलासपुर में करीब 20 मिमी बारिश दर्ज की गई है। न्यूनतम तापमान की बात करें तो जनजातीय क्षेत्र ताबो में सबसे कम 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, इसके बाद कल्पा में 5.4, केलांग और कुकुमसेरी में करीब 5.7, मनाली में 8.7, सराहन में 9.7, सोलन में 12.0, शिमला में 12.5, पालमपुर में 13.5, सुंदरनगर में 14.3, मंडी में 15.4, कांगड़ा में 16.7 और ऊना में 18.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

शिमला में तेज बारिश से छाया अंधेरा, मई में लौटी ठंड, कई जिलों में अलर्ट जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में रविवार सुबह मौसम ने अचानक ऐसा रुख बदला कि दिन के उजाले में ही अंधेरा छा गया। मई महीने की शुरूआत में आमतौर पर जहां तापमान बढ़ने लगता है, वहीं शिमला में तेज बारिश, आंधी और घने बादलों ने मौसम को फिर सर्द बना दिया है। रविवार सुबह की शुरुआत साफ और धूप भरे मौसम से हुई थी। लेकिन करीब आठ बजे के बाद अचानक काले बादल छा गए। तेज गर्जना और आंधी के साथ बारिश शुरू हुई और कुछ ही मिनटों में हालात ऐसे हो गए मानो शाम हो गई हो। शहर के कई हिस्सों में दृश्यता कम हो गई और लोगों को लाइट जलानी पड़ी। इस अप्रत्याशित बदलाव ने स्थानीय निवासियों के साथ-साथ सैलानियों को भी हैरान कर दिया। बारिश के कारण तापमान

में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ठंडी हवाओं के चलते लोगों को फिर से गर्म कपड़े पहनने पड़े। बीते कुछ दिनों से शिमला में मौसम लगातार बदल रहा है। शनिवार शाम को भी हल्की से मध्यम बारिश हुई थी, हालांकि रात के दौरान मौसम साफ रहा। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि प्रदेश के कई जिलों में अगले 24 से 48 घंटों के दौरान मौसम खराब बना रह सकता है। शिमला, कुल्लू, मंडी, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अन्य क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट लागू है। विभाग का अनुमान है कि 7 मई तक प्रदेश में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी रह सकता है, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी भी संभव है। खराब मौसम का असर जनजीवन और कृषि दोनों पर पड़ रहा है।

पंजाब में भाजपा की सरकार बनाओ हरियाणा में लागू सभी योजनाएं पंजाब में भी लागू कर देंगे : नायब सिंह सैनी

कहा, मेरे लायक कोई काम हो तो पंजाब के लोगों की खातिर 'हरियाणा सीएम हाउस' के दरवाजे हमेशा खुले हैं

- लुधियाना में 'महर्षि कश्यप जन्मोत्सव समारोह' को किया संबोधित

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आान किया कि अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भी भाजपा की सरकार बनाओ , हरियाणा में लागू की गई सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर दिया जाएगा। साथ ही , उन्होंने यह भी कहा कि आपको या आपके किसी रिश्तेदार को मेरे लायक कोई काम हो तो हरियाणा सीएम हाउस के दरवाजे हमेशा खुले हैं, पूरी मदद की जाएगी। नायब सिंह सैनी आज पंजाब के लुधियाना में महर्षि कश्यप जन्मोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने महर्षि कश्यप जी को नमन करते हुए कहा कि महर्षि कश्यप महान परोपकारी और प्रजापालक थे। उन्होंने समाज को एक नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। उन्होंने कश्यप समाज के इतिहास को गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे बलशाली राजा दिये। राजा निषाद् ने ही वनवास के समय प्रभु रामचंद्र जी को अपने यहां आश्रय दिया था। भक्त प्रहलाद भी इस समाज की देन हैं। दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह जी के पंच प्यारों में भाई हिम्मत सिंह कश्यप जी भी इसी समाज से थे। नायब सिंह सैनी ने कश्यप समाज को साहसी, वीर, परिश्रमी और स्वाभिमानी बताया और कहा कि आप लोगों में अपार क्षमताएं हैं। आपको अभी बहुत आगे बढ़ना है। अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करके आप न केवल अपनी कौम का भला कर सकते हैं बल्कि पूरे समाज के विकास में रचनात्मक भूमिका निभा सकते है।

उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा कश्यप समाज सहित अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचे। 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' का मूल मंत्र इसी भावना से प्रेरित है। सैनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पिछड़ा वर्ग का सबसे बड़ा हितैषी बताया और कहा कि मोदी जी ने केंद्रीय ओ.बी.सी कमीशन को संवैधानिक दर्जा दिलवाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का विजन है। आज आवश्यकता है कि इस विजन को साकार करने के लिए हम जाति, क्षेत्र, भाषा जैसे भेदभावों को मिटाकर आगे बढ़ने का संकल्प लें।

उन्होंने पंजाब के लोगों से आान किया कि वे अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब के आमजन की चिंता करने वाली भाजपा की सरकार बनाएं , झूठे सब्जबाग दिखाने वाली आम आदमी पार्टी को सबक सिखाएं। इस अवसर पर अखिल भारतीय कश्यप राजपूत कल्याण सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप भारद्वाज , बलदेव राज कश्यप , सुखदेव सिंह समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जैपनीज पार्क में बने भगवान परशुराम की 121 फुट की भव्य प्रतिमा : शर्मा

- दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से ब्राह्मण समाज की मांग पर की चर्चा
- रोहिणी में भव्य परशुराम जन्मोत्सव का हुआ आयोजन, केन्द्रीय मंत्री, सांसद व विधायक हुए शामिल

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान ब्राह्मण समाज द्वारा रोहिणी के जैपनीज पार्क में भगवान परशुराम की भव्य 121 फुट की प्रतिमा स्थापित करने की मांग का समर्थन किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ इस विषय पर चर्चा करते हुए इसे मंजूरी देने का अनुरोध किया।

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शनिवार शाम रोहिणी में एक निजी कार्यक्रम में आयोजित विष्णु अवतार भगवान परशुराम जन्मोत्सव में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद मनोज तिवारी, विधायक अनिल शर्मा के साथ शिरकत की। जनसमूह को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने पीड़ित, शोषित, जरूरतमंदों के हितों की रक्षा करना सुनिश्चित किया। उन्होंने जीवन के उच्च आदर्शों और मानकों की स्थापना करते हुए गुरु, अभिभावक के प्रति दायित्व निर्वहन का बड़ा संदेश दिया। भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेकर हम सब को मिलकर सनातन संस्कृति को मजबूत करना है, ताकि देश को मजबूत किया जा सके। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से चर्चा करते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव के दौरान ब्राह्मण समाज द्वारा भाजपा को भरपूर समर्थन और आशीर्वाद दिया गया। उस समय उनके द्वारा जैपनीज पार्क में भगवान परशुराम की 121 फुट की भव्य प्रतिमा स्थापित करवाने की मांग रखी गई थी। उन्होंने कहा कि यह ब्राह्मण समाज की पुरानी मांग है, जिस पर अब गौर करने का समय आ गया है। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि गोवा में भगवान परशुराम राष्ट्रीय परिषद द्वारा एक सप्ताह के अधिवेशन के माध्यम से दलीप शास्त्री की कथा का आयोजन किया गया और उन्होंने भगवान परशुराम से जुड़े मिथ एवं दुष्प्रचार को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट किया। इसलिए हर क्षेत्र में भगवान परशुराम कथा का आयोजन होना चाहिए, ताकि चिरंजीवी भगवान परशुराम में आस्था रखने वाले नागरिकों को जागरूक किया जा सके। उन्होंने भव्य आयोजन के लिए विनोद वत्स, चांद करण शर्मा, अशोक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एकजुट बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

विनेश फोगाट ने कहा 'यौन शोषण की उन 6 पीड़ितों में मैं भी शामिल', बृजभूषण के खिलाफ खुद को बताया विक्टिम

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

ओलंपियन पहलवान और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ चल रही कानूनी लड़ाई में एक बड़ा खुलासा कर खेल जगत और राजनीति में हलचल मचा दी है। विनेश ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत दर्ज कराने वाली छह महिला खिलाड़ियों में वह खुद भी एक 'विक्टिम' (पीड़ित) के तौर पर शामिल हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि न्याय की इस लड़ाई को मुकाम तक पहुंचाने के लिए वह अपनी पहचान सार्वजनिक कर रही हैं।

विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया के माध्यम से जारी एक संदेश में कहा कि तीन साल पहले महिला पहलवानों के सम्मान की रक्षा के लिए जंतर-मंतर से जो आवाज उठाई गई थी, उसका संघर्ष आज भी जारी है। विनेश ने बताया, बृजभूषण के खिलाफ कोर्ट में जो केस लंबित है, उसमें छह महिला खिलाड़ियों ने शिकायत और गवाही दी थी। मैं आज यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि उन छह पीड़ितों में से एक मैं भी हूं।

विनेश ने कहा कि हालांकि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुसार किसी भी यौन शोषण पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी जानी चाहिए, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों और सिस्टम से मिल रही चुनौतियों के कारण उन्होंने अपनी पहचान सार्वजनिक करने का कठिन फैसला लिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी लड़ाई केवल उनके स्वयं के लिए नहीं, बल्कि देश की उन तमाम महिला खिलाड़ियों के लिए है जो इस तरह के उत्पीड़न का सामना करती हैं। विनेश फोगाट ने केवल पुराने आरोपों तक ही खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि वर्तमान कुश्ती संघ की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर हमला बोला। उन्होंने उत्तर प्रदेश में घोषित की गई रैंकिंग प्रतियोगिता के स्थान पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह आयोजन उसी स्थान पर किया जा रहा है जहाँ बृजभूषण शरण सिंह का निजी शिक्षण संस्थान है। विनेश ने आरोप लगाया, ऐसे स्थान पर प्रतियोगिता कराना, जहाँ आरोपी का सीधा प्रभाव हो, खिलाड़ियों के साथ सरासर अन्याय है। वहां यह पहले से तय हो सकता है कि निर्णायक (रेफरी) कौन होगा, किसे कितने अंक दिए जाएंगे और किसे हारना या जीतना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के आयोजनों से मेहनत करने वाले खिलाड़ियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और पूरी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

धरे के धरे रह गए हरियाणा में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दावे: सैलजा

- कहा- प्रदेश में बिजली संकट पर जवाब दे सरकार

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी की सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बढ़ते बिजली संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। सांसद ने कहा कि गर्मी की शुरूआत में ही प्रदेश के कई हिस्सों में लंबे-लंबे बिजली कट लग रहे हैं, जिससे आम जनता, किसान और उद्योग सभी प्रभावित हो रहे हैं जबकि सरकार ने 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा किया था।

कुमारी सैलजा ने कहा कि जब पहले से ही ट्रांसफार्मरों के ओवरलोड होने और बिजली लाइनों के जर्जर होने की जानकारी सरकार के पास थी, तो समय रहते आवश्यक सुधार क्यों नहीं किए गए। बिजली निगम के अधिकारी प्यास लगने पर ही कुआं क्यों खोदते है, इससे अधिकारियों की प्यास को बुझ जाती है पर उन्हें जनता को होने वाली परेशानी का आभास तक नहीं होता। ऐसे लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें इस बात को भी अहसास होना चाहिए कि वे एक अधिकारी होने से पहले जनता के सेवक हैं। सांसद कुमारी सैलजा ने पूछा कि क्या सरकार के पास आने वाले महीनों में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने की कोई ठोस योजना है या प्रदेश को और बड़े संकट की ओर धकेला जा रहा है। सांसद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में 6 से 10 घंटे और शहरी क्षेत्रों में भी कई घंटों के अघोषित बिजली कट आम लोगों के जीवन को कठिन बना रहे हैं। यह स्थिति न केवल असुविधाजनक है, बल्कि किसानों की सिंचाई और छोटे उद्योगों के संचालन पर भी गंभीर प्रभाव डाल रही है।

सांसद ने सरकार से मांग की कि तुरंत प्रभाव से बिजली ढांचे को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, खराब ट्रांसफार्मरों को बदला जाए, और जर्जर लाइनों की मरम्मत की जाए ताकि जनता को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि केवल घोषणाओं और दावों से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीन पर वास्तविक सुधार जरूरी है। सांसद सैलजा ने कहा कि प्रदेश में उत्तरी एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ही आपूर्ति करता है, प्रदेश में कुल 82 लाख से अधिक उपभोक्ता है। उत्तरी क्षेत्र की अपेक्षा दक्षिण क्षेत्र में उपभोक्ताओं की संख्या ज्यादा है। निगम अधिकारियों के पास पूरा डॉटा होता है कि प्रदेश में किस किस लोड के कितने ट्रांसफार्मर है। कहां पर बिजली की तारें बदली जानी है। गर्मी में लोड कि तना बढ़ सकता है। जो तैयारी गर्मी से पहले की जानी थी उसे गर्मी शुरू होने पर प्रारंभ किया जाता है। जब उपभोक्ता भीषण गर्मी से जूझ रहा होता है तब मेंटीनेंस के नाम पर 5-6 घंटे बिजली आपूर्ति बंद रखी जाती है। निगम अधिकारियों ने लोड मैनेजमेंट पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया। सांसद ने कहा कि जनता की समस्याओं की अनदेखी करना किसी भी सरकार के लिए उचित नहीं है और यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो इसका जवाब जनता अवश्य देगी।

लगातार 9वीं बार अध्यक्ष बने अशोक बुवानीवाला का कैथल पहुचंने पर भव्य नागरिक अभिनंदन

- समाज की पगड़ी का मान-सम्मान कभी झुकने नहीं दूंगा : अशोक बुवानीवाला

सिटी दर्पण संवाददाता

कैथल

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में लगातार नौवीं बार सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए अशोक बुवानीवाला का कैथल पहुंचने पर वैश्य बंधुओं द्वारा भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व अशोक बुवानीवाला के कैथल पहुंचने पर समाज के गणमान्य लोगों और युवाओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके उपरांत उन्होंने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजन कर समाज की समृद्ध परंपराओं और आदर्शों को नमन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अशोक बुवानीवाला ने कहा कि आज समाज ने जो पगड़ी मेरे सिर पर रखी है, उसका मान-सम्मान मैं जीवन भर कभी झुकने नहीं दूंगा। यह केवल सम्मान नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है, जो पिछले 17 वर्षों से एक विश्वास के साथ समाज ने जो मुझें सौंपी है। मैं अपने समाज के लोगों के सिर को कभी नीलाम नहीं होने दूंगा और समाज के प्रत्येक व्यक्ति के विश्वास को बनाए रखने के लिए सदैव समर्पित रहूंगा। उन्होंने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है, जिसकी ताकत उसकी एकता, अनुशासन और सेवा भाव में निहित है।

उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में समाज ने जिस प्रकार हर परिस्थिति में एकजुटता दिखाई है, वही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा उद्देश्य केवल संगठन को मजबूत करना नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति को साथ लेकर चलना है चाहे वह युवा हो, महिला हो या वरिष्ठजन। उन्होंने कहा कि आपसी सहयोग और सेवा की भावना को आधार बनाकर ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है। बुवानीवाला ने कहा कि हमारे अंदर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद कभी नहीं होना चाहिए और इसी को आधार बनाकर हम राजनीति रूप से मजबूत बन सकते हैं। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित समाज के लोगों से आान किया कि प्रदेश में हो रहे निकाय चुनावों में हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि जिन क्षेत्रों में चुनाव हो रहे हैं, वहां रह रहे अपने रिश्तेदारों, परिचितों और संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंच बनाकर समाज के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में भागीदारी ही सबसे बड़ी ताकत होती है और यदि समाज संगठित होकर अपने मताधिकार का सही उपयोग करता है, तो निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं।

समारोह

सुपवा का दीक्षांत समारोह आज, तैयारियां पूरी, अलग-अलग गेट से होगी वीआईपी व छात्रों की एंट्री

डीसी व एसपी ने लिया तैयारियों व सुरक्षा का जायजा, यूनिवर्सिटी प्रशासन संग की मीटिंग

- राज्यपाल सह यूनिवर्सिटी चांसलर कुल 760 छात्रों को देंगे डिग्री

सिटी दर्पण संवाददाता

रोहतक

दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) का दूसरा दीक्षांत समारोह आज (सोमवार) को आयोजित होगा। समारोह को लेकर यूनिवर्सिटी में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रदेश के राज्यपाल व यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति प्रोफेसर असीम कुमार घोष समारोह की अध्यक्षता करेंगे। आयोजन की तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रोहतक के डीसी सचिन गुप्ता व एसपी गौरव राजपुरोहित ने यूनिवर्सिटी का दौरा किया। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारियों संग मीटिंग की और जरूरी दिशा निर्देश दिए। इस दौरान यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने उन्हें पूरे समारोह की विस्तार से जानकारी दी। डीसी सचिन गुप्ता व एसपी गौरव राजपुरोहित ने कुलगुरू डॉ अमित आर्य व रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा के साथ दीक्षांत समारोह स्थल का दौरा किया। उन्होंने आयोजन को लेकर सभी तरह की जानकारी यूनिवर्सिटी प्रबंधन से प्राप्त की। कार्यक्रम के शेड्यूल के साथ ही अतिथियों के सीटिंग प्लान व सुरक्षा इंतजामों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पार्किंग एरिया व एंट्री-एग्जिट प्वाइंट का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश व सुझाव दिए। उन्होंने यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस में आयोजन को लेकर मीटिंग भी की। मीटिंग में कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने बताया कि मौसम को ध्यान में रखते हुए पूर्णरूप से वाताकूनुलित, वाटर एंड फायर प्रूफ पंडाल तैयार किया गया है। मंच पर राज्यपाल के साथ चुनिंदा लोग की मंच पर होंगे। इस दौरान नगर निगम, एचएसवीपी, बिजली, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। डीसी व एसपी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन के सफल आयोजन को लेकर गंभीरता व बेहतर तालमेल के साथ काम करें। इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर एडीसी नरेंद्र कुमार व एसडीएम आशीष शर्मा भी मौजूद रहे।

रविवार को दोपहर के समय समारोह के आयोजन को लेकर यूनिवर्सिटी स्टाफ ने रिहर्सल व मॉकड्रिल भी आयोजित की।

दीक्षांत समारोह में सुरक्षा के मद्देनजर यूनिवर्सिटी परिसर में वीआईपी, वीवीआईपी और छात्रों व अन्य लोगों की एंट्री अलग-अलग गेट से रखी गई है। गेट नंबर एक से केवल वीआईपी और वीवीआईपी एंट्री होंगी। वहीं, डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों, उनके अभिभावकों व यूनिवर्सिटी के अन्य छात्रों की एंट्री गेट नंबर दो से होगी। ये सभी गेट नंबर दो का इस्तेमाल कर सीधा दीक्षांत समारोह के आयोजन स्थल पर पहुंच सकेंगे।

कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने बताया कि दीक्षांत समारोह सुबह 10 बजे से शुरू कर दिया जाएगा। राज्यपाल डॉ असीम कुमार घोष के साथ उनकी धर्मपत्नी, फर्स्ट लेडी ऑफ हरियाणा मित्रा घोष समोराह में मौजूद रहेंगी। इसके साथ ही प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा भी उपस्थित होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश की कई यूनिवर्सिटी के कुलगुरु भी हिस्सा लेने के लिए पहुंच रहे हैं। समारोह में कुल 760 छात्रों को डिग्री दी जाएगी, जिसमें 114 पोस्ट ग्रेजुएशन व 646 अंडर ग्रेजुएशन के पूर्व छात्र शामिल होंगे। इसके साथ ही 35 मेधावी छात्रों को गोल्ड मेडल भी प्रदान किए जाएंगे। अलग-अलग बैच के मास्टर ऑफ प्लानिंग के 29, मास्टर ऑफ फैशन डिजाइन के 32, मास्टर ऑफ विजुअल के आर्ट्स के 39, मास्टर ऑफ आर्ट्स (मास कम्युनिकेशन - मीडिया प्रोडक्शन) के 14, बैचलर ऑफ आर्किटेक्ट के 133, बैचलर ऑफ डिजाइन के 210, बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स के 214 और बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (फिल्म, एक्टिंग, ऑडियोग्राफी, सिनेमेटोग्राफी, फिल्म डायरेक्टर व फिल्म एडिटिंग) के 89 छात्रों को डिग्री दी जाएगी।

रजिस्ट्रार डॉ गुंजन मलिक मनोचा ने बताया कि डिग्री लेने के लिए आने वाले पूर्व छात्रों को परेशानी न हो, इसके लिए पूरी व्यवस्था की गई है। पंडाल में डिग्री धारकों के लिए रिसेप्शन काउंटर बनाया गया है। डिग्री लेने आने वाले पूर्व छात्रों को इस काउंटर पर आकर संपर्क करना होगा। इसके साथ ही ग्रुप फोटो के लिए अलग से स्पेस रहेगा, जिसमें डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र अपने फोटो करा सकेंगे।

संपादकीय

कैलाश मानसरोवर – आस्था की वह पराकाष्ठा जहाँ धरती स्वर्ग को छूती है

हिमालय की गोद में, तिब्बत के पठार पर स्थित कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील सदियों से करोड़ों श्रद्धालुओं की आत्मा की प्यास बुझाते आए हैं। यह केवल एक भौगोलिक स्थान नहीं, बल्कि मानव की आध्यात्मिक चेतना का सर्वोच्च बिंदु है। 6,638 मीटर की ऊँचाई पर स्थित हीरे के आकार का कैलाश पर्वत और 4,583 मीटर की ऊँचाई पर विस्तृत मानसरोवर झील – जो विश्व की सबसे ऊँची मीठे पानी की झीलों में से एक है – मानवता के लिए दिव्य ऊर्जा और मानसिक शांति का स्रोत मानी जाती है। हिंदू परंपरा में यह पर्वत स्वयं भगवान शिव का निवास है, और यहाँ की परिक्रमा करना अर्थात् मोक्ष के द्वार खटखटाना माना जाता है। इस वर्ष 2026 में यह यात्रा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि तिब्बती परंपरा के अनुसार 2026 अश्व वर्ष है – एक ऐसा वर्ष जो हर बारह वर्षों में एक बार आता है और जिसमें कैलाश की एक परिक्रमा का पुण्य तेरह सामान्य परिक्रमाओं के बराबर माना जाता है। यही कारण है कि इस वर्ष इस पवित्र यात्रा के प्रति श्रद्धालुओं में असाधारण उत्साह देखा जा रहा है। भारत सरकार ने कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह यात्रा जून से अगस्त 2026 के बीच आयोजित की जाएगी और इसे चीनी अधिकारियों के सहयोग से संपन्न किया जाएगा। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब यह यात्रा पुनः आरंभ हुई है, क्योंकि यह कोविड-19 महामारी और भारत-चीन सीमा तनाव के कारण कई वर्षों तक निलंबित रही थी। विदेश मंत्रालय ने पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी है और इच्छुक तीर्थयात्री 19 मई 2026 तक आधिकारिक वेबसाइट kmy.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस वर्ष कुल 20 बैचों में 1,000 तीर्थयात्रियों को यात्रा का अवसर मिलेगा। प्रत्येक बैच में 50 यात्री होंगे। प्रत्येक बैच के साथ संपर्क अधिकारी, सहायक कर्मचारी और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस का एक चिकित्सा अधिकारी भी उपस्थित रहेगा, ताकि अत्यधिक ऊँचाई पर की जाने वाली इस यात्रा के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कैलाश मानसरोवर यात्रा 2026 के लिए दो आधिकारिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं – पहला उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से होकर और दूसरा सिक्किम के नाथू ला दर्रे से होकर। लिपुलेख मार्ग (उत्तराखंड): लिपुलेख दर्रे के माध्यम से जाने वाला यह मार्ग अपनी कठिन भूभाग और पारंपरिक ट्रेकिंग पथ के लिए जाना जाता है। इस मार्ग से 10 बैच यात्रा करेंगे। यात्रा सामान्यतः दिल्ली या धारचूला से आरंभ होती है और इसमें ऊँचाई पर शारीरिक रूप से कठिन ट्रेकिंग शामिल है। इस मार्ग की अनुमानित लागत लगभग 2.09 लाख रुपये है। नाथू ला मार्ग (सिक्किम): नाथू ला दर्रे से होकर जाने वाला यह दूसरा मार्ग लिपुलेख की तुलना में शारीरिक दृष्टि से कम कठिन है। इस मार्ग से भी 10 बैच जाएंगे और यात्रा दिल्ली या गंगटोक से प्रारंभ होती है। इस मार्ग की अनुमानित लागत लगभग 3.31 लाख रुपये है। आवेदक अपना पसंदीदा मार्ग चुन सकते हैं या दोनों मार्गों के लिए आवेदन करते हुए प्राथमिकता दर्शा सकते हैं। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों का चयन एक निष्पक्ष, कंप्यूटर-जनित, यादृच्छिक और लिंग-संतुलित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि किसी एक वर्ग विशेष को अनुचित लाभ न मिले और सभी आवेदकों को समान अवसर प्राप्त हो। सीमित सीटों और अत्यधिक माँग को देखते हुए यह चयन प्रतिस्पर्धी होने की पूरी संभावना है। आवेदक का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है और उसके पास वैध साधारण पासपोर्ट होना चाहिए जो सितंबर 2026 के बाद कम से कम छह महीने तक मान्य हो। आयु सीमा 18 से 70 वर्ष निर्धारित की गई है। शारीरिक स्वास्थ्य एक अनिवार्य आवश्यकता है – आवेदक का बॉडी मास इंडेक्स 25 या उससे कम होना चाहिए और उन्हें हृदय रोग, अस्थमा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप या मिर्गी जैसी गंभीर बीमारियाँ नहीं होनी चाहिए। ओ सी आई और पी आई ओ कार्डधारक सहित विदेशी नागरिक इस यात्रा के लिए पात्र नहीं हैं। दोनों मार्गों के लिए पंजीकरण शुल्क 5,000 रुपये निर्धारित किया गया है। चयनित यात्रियों को अपने साथ वैध भारतीय पासपोर्ट और अन्य आवश्यक चिकित्सा दस्तावेज रखने होंगे। यह शुल्क अप्रतिदेय है, अतः आवेदन करने से पहले सभी शर्तें ध्यानपूर्वक पढ़ना आवश्यक है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के अनुयायियों के लिए गहरा धार्मिक महत्व है। हिंदू धर्म में कैलाश पर्वत को भगवान शिव का दिव्य निवास माना जाता है। बौद्ध धर्म में इसे 'माउंट मेरु' कहा जाता है और मान्यता है कि यहाँ की परिक्रमा से आध्यात्मिक शुद्धि और ज्ञान की प्राप्ति होती है। वे इसे देवता चक्रसंवर (डेमचोक) का निवास भी मानते हैं, जो परमानंद के प्रतीक हैं। जैन धर्म में इसे अष्टापद पर्वत माना जाता है जहाँ प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव ने मोक्ष प्राप्त किया था। यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक जीवन-परिवर्तनकारी अनुभव है। हिमालय की दुर्गम वादियों पार करते हुए, ठंडी झुलसाती हवाओं में मानसरोवर के पवित्र जल में डुबकी लगाना और कैलाश की तलहटी में खड़े होकर उस विराट सत्ता का अनुभव करना – यह सब मिलकर एक ऐसा अनुभव बनाते हैं जो आत्मा को झकझोर देता है। यह यात्रा 2020 में कोविड-19 और गलवान घाटी संघर्ष के कारण निलंबित कर दी गई थी। इसके पुनः आरंभ होने से सीमापार यात्रा के धीरे-धीरे सामान्य होने का संकेत मिलता है। भारत-चीन संबंधों में सुधार के इस प्रतीकात्मक कदम ने लाखों श्रद्धालुओं की वर्षों की प्रतीक्षा को अर्थ दिया है। चूँकि यह यात्रा अत्यंत उच्च ऊँचाई पर संपन्न होती है, इसलिए शारीरिक और मानसिक तैयारी अपरिहार्य है। आवेदन करने से पहले चिकित्सक से परामर्श लें, नियमित व्यायाम और ऊँचाई से संबंधित समस्याओं की जानकारी अवश्य रखें। 19 मई की अंतिम तिथि नजदीक है, इसलिए इच्छुक यात्री बिना विलंब किए kmy.gov.in पर पंजीकरण करें। कैलाश मानसरोवर – जहाँ हर कदम एक प्रार्थना है, हर साँस एक स्तुति है। यह यात्रा जीवन में एक बार मिलने वाला वह अवसर है जो न केवल आस्था को सींचती है, बल्कि व्यक्ति को स्वयं से भी जोड़ती है।

राजस्व न्यायालयों में लाखों वाद निस्तारण को लेकर राजस्थान की पहल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स)

देश में राजस्व विवादों से संबंधित लाखों की संख्या में प्रकरण राजस्व न्यायालयों में निस्तारण के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। इनमें से हजारों की संख्या में ऐसे प्रकरण भी मिल जाएंगे जो तीस साल से भी अधिक समय से निर्णय के इंतजार में हैं। राजस्व न्यायालयों में विवाद के ये प्रकरण केवल राजस्व रेकार्ड में संशोधन कर सुधार के हैं क्योंकि मालिकाना हक तय करने के मामले तो सिविल कोर्ट द्वारा निर्णित किये जाते हैं। रेवेन्यू कोर्ट में मुख्यतः म्यूटेशन, भूमि का बंटवारा, जमीन के सीमांकन, भूमि पर अतिक्रमण, दस्तावेजों में सुधार, लगान या इस तरह के विवाद या फिर पट्टेदारी के विवाद से संबंधित विवाद निर्णय के लिए आते हैं। आरसीसीएमएस जैसी कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था होने के बावजूद इसमें कोई खास सुधार नहीं देखा जा रहा है। होता यह है कि इस तरह के विवादों या प्रकरणों के निर्णित होने में भी पीढ़ी दर पीढ़ी निर्णय के लिए तारीख दर तारीख न्यायालयों के चक्कर लगाते रहते हैं। यह अपने आप में गंभीर समस्या है पर इसका निराकरण सरकारों की इच्छा शक्ति और व्यवस्था में सुधार से आसानी से किया जा सकता है।

खास बात यह कि इस तरह के लाखों की संख्या में विवाद निर्णय के अभाव में पेंडिंग पड़े हैं। राजस्थान की सरकार ने लंबित प्रकरणों को लेकर महत्वपूर्ण पहल की है। अब पीठासीन अधिकारियों को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक नियमित सुनवाई करने के साथ ही प्रकरणों के निष्पादन की टाइम लाइन और मॉनेटरिंग व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। यह कोई अकेले राजस्थान का ही मुद्दा नहीं है अपितु सभी राज्यों में इस तरह के विचाराधीन प्रकरणों की संख्या बहुत चिंतनीय स्थिति में है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है और ऐसे भी उदाहरण देखने को मिलता है कि कई राजस्व न्यायालयों में तो सालभर में एक-एक केस का निस्तारण तक देखने को मिलता है। यह अपने आप में गंभीर होने के साथ कहीं-ना-कहीं हमारी व्यवस्था के लिए भी चुनौती से कम नहीं है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार राजस्व न्यायालयों के सुदृढ़ीकरण और लंबित वादों का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। अकेले राजस्थान की ही आंकड़ों में बात की जाए तो इस तरह के 6 लाख 72 हजार वाद रेवेन्यू न्यायालयों में विचाराधीन चल रहे हैं। इनमें से करीब 64 प्रतिशत 4.31 लाख के वाद उपखण्ड अधिकारी के न्यायालयों में निर्णयाधीन है। चिंतनीय यह है कि 6 हजार के करीब वाद तो ऐसे हैं जो 20 से 30 साल के बीच निर्णय के प्रतीक्षा में हैं। राजस्थान के प्रमुख सचिव राजस्व टी. रविकान्त ने इस तरह के प्रकरणों को लेकर गंभीरता दिखाई और रिव्यू के बाद इस तरह की व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश जारी कराने की पहल की है कि राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों की समयबद्ध नियमित सुनवाई हो, तारीखों पर तारीखें नहीं दी जाएं और पक्ष-प्रतिपक्ष को समुचित अवसर देते हुए वादों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएं। प्रमुख सचिव राजस्व राजस्थान टी. रविकान्त ने व्यवस्था में सुधार और संवेदनशील प्रशासन का परिचय देते हुए मुख्य सचिव राजस्थान वी. श्रीनिवास ने परिपत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। यह कोई राजस्थान की नहीं अपितु इस तरह की पहल की सभी राज्य सरकारों द्वारा किये जाने की आवश्यकता है।

राजस्व न्यायालयों में विचाराधीन वादों के निस्तारण में मुख्यतः तीन कारण सामने आते हैं। इनमें भी सबसे प्रमुख कारण संबंधित पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार द्वारा मौका रिपोर्ट सालों तक प्रस्तुत नहीं करना देखा गया है। एक अन्य कारण राजस्व न्यायालयों से जुड़े कार्मिकों को न्यायिक प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक हो जाता है। आवश्यक न्यायिक प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में भी देरी होती है। इसके अलावा एक अन्य कारण जो कि सर्वविदित है और वह है न्यायालय के नोटिस का तामील नहीं होना भी है। तामीली के अभाव में समय अधिक लग जाता है। इसके अलावा तारीख-पर-तारीख और लंबी तारीख देने की परपंरा भी वादों के निस्तारण की बड़ी बाधा है। राजस्थान का संदर्भ इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है कि इन कारणों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश जारी किये गये हैं। अब राजस्व पीठासीन अधिकारियों को कार्य दिवस में प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक आवश्यक रुप से न्यायालय आयोजित करेंगे। इसमें किसी तरह का अवरोध ना हो इसके लिए यह भी निर्देशित किया गया है कि आवश्यक कार्यो से आयोजित होने वाली वर्चुअल बैठकें वीसी आदि 2 बजे बाद ही आयोजित की जाएगी। यह अपने आप में महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल मानी जानी चाहिए। इसके साथ ही मॉनेटरिंग व्यवस्था को चाक-चौबंद करते हुए संभाग स्तरीय स्थाई एरियर रिव्यू कमेटी का गठन, रिव्यू हेतु 100-100 प्रकरण तय कर विभिन्न स्तर पर निस्तारण प्रगति रिव्यू आदि तय किया गया है।

संभागीय आयुक्त से लेकर जिला कलक्टर आदि द्वारा मासिक बैठकों व दौरों के दौरान समीक्षा की व्यवस्था की गई है। पटवारी, गिरदावर या तहसीलदार द्वारा तीन अवसर देने पर भी मौका रिपोर्ट नहीं भेजने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करने जैसी व्यवस्था की गई है। इसी तरह से तामील व्यवस्था में एक समय बाद समाचार पत्र में प्रकाशन तक का विकल्प दिया गया है। 15 दिन से अधिक की तारीख भी नहीं देने को कहा गया है। निश्चित रुप से यह व्यवस्था इस तरह के वादों के निस्तारण में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सफल हो सकती है।

राजस्थान सरकार की सकारात्मक पहल अन्य राज्यों के लिए भी सुधारात्मक पहल हो सकती है। इससे जहां लाखों की संख्या में राजस्व न्यायालयों में निर्णय की प्रतीक्षा के वादों के निस्तारण की राह प्रशस्त हो सकेगी वहीं अनावश्यक विवादों का निस्तारण होने से ग्रामीण माहौल में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। अनावश्यक विवाद समाप्त होंगे और एक संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था का संदेश जाएगा। हो सकता है कि अन्य प्रदेशों द्वारा भी इस दिशा में पहल की जा रही हो तो इस तरह की पहल को अपनाने में किसी तरह का संकोच नहीं किया जाना चाहिए ताकि लाखों की संख्या में इस तरह के विवादों के निस्तारण की पहल सही दिशा में सही कदम हो सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एग्री स्टैक: भारत की डिजिटल कृषि क्रांति

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है। इस क्षेत्र में कुल श्रमशक्ति का लगभग 46 प्रतिशत हिस्सा जुटा हुआ है। पिछले दशक में सरकार की ओर से उत्पादन/उत्पादकता बढ़ाने, फसलों के विविधीकरण, खेती की लागत में कमी लाने, कृषि उत्पादों की बेहतर कीमत अर्जित करने, जलवायु के अनुकूल ढालने और जोखिमों को कम करने की बहुआयामी रणनीति के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के ठोस प्रयास किए गए हैं।

केन्द्र प्रायोजित या केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के जरिए किसानों को विभिन्न सेवाओं या लाभों की निर्बाध, पारदर्शी और कुशल आपूर्ति संघीय या राज्य स्तर की सरकार की प्राथमिकता है। कुल कृषि भूमि का स्वामित्व और उस भूमि पर बोई गई फसलों का इतिहास किसी भी योजना के लाभ के लिए किसी भी किसान (चाहे वह मालिक हो, पट्टेदार हो या फिर बटाईदार हो) की पात्रता के आकलन की जरूरी शर्त है। हालांकि, देश भर में भूमि से संबंधित प्रशासन में पायी जाने वाली व्यापक भिन्नताएं एक बड़ी चुनौती पेश करती हैं।

स्वामित्व और बुवाई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को संकलित करने वाले एक मानकीकृत किसान डेटाबेस के महत्व एवं जरूरत को पहचानते हुए, सरकार ने वर्ष 2024 में डिजिटल कृषि मिशन की शुरुआत की। किसानों के इस डेटाबेस को मजबूत सहमति तंत्र के साथ गतिशील रूप से अद्यतन किया जाता है। एग्री स्टैक, इस डिजिटल कृषि मिशन का एक प्रमुख स्तंभ है। यह अब इस मिशन के एक मौन लेकिन सशक्त परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में उभर रहा है। इसमें तीन विवरणी (रजिस्ट्री) झ्र खेत, किसान और बोई गई फसल - शामिल हैं। एग्री स्टैक भारत की कृषि से जुड़ी यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का इशारा करता है। एक ऐसा अध्याय, जो माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लक्ष्य के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

खेत वाली रजिस्ट्री में भौगोलिक संदर्भों के आधार पर कृषि भूखंडों का डेटाबेस शामिल होता है। इनमें से प्रत्येक भूखंड को एक अनूठी कृषि आईडी प्रदान की जाती है। दूसरी परत में, प्रत्येक भूमि के मालिक किसान को एक अनूठी फार्म आईडी प्रदान की जा रही है। इस आईडी में स्वामित्व वाली प्रत्येक भूखंड से संबंधित जरूरी जानकारियों के साथ-साथ सह-स्वामित्व के मामले में हिस्सेदारी का उल्लेख भी शामिल है। यह डेटा अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) से गतिशील रूप से जुड़ा हुआ है ताकि विरासत, बिक्री आदि के कारण स्वामित्व में हुआ कोई भी बदलाव किसान रजिस्ट्री में अद्यतन हो जाए। तीसरी परत में प्रत्येक भूखंड पर बोई गई फसल का विवरण शामिल होता है। यह विवरण बुवाई पूरी होने के बाद प्रत्येक फसल के मौसम में किए गए डिजिटल/तकनीक आधारित फसल सर्वेक्षण के जरिए हासिल किया जाता है।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न समझौता ज्ञापनों के जरिए 35 राज्यों और केन्द्र- शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी की है। इस डिजिटल मिशन को केन्द्र और राज्य के बीच मजबूत सहयोग के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। इसमें पूर्ण समावेशन सुनिश्चित करते हुए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

एग्री स्टैक एक संघीय डेटाबेस है जिसका स्वामित्व राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों के पास है, लेकिन केन्द्र सरकार सेवाओं की आपूर्ति और डेटा विश्लेषण के लिए इसका उपयोग कर सकती है। इसका उद्देश्य प्रत्येक किसान के लिए एक सत्यापित डिजिटल पहचान बनाना, उस पहचान को सटीक रूप से मैप किए गए भूखंड से जोड़ना और प्रत्येक मौसम में उगाई जाने वाली फसलों को दर्ज करना है। यह स्टैक नियमों पर आधारित एवं स्वचालित सेवा वितरण को विभिन्न योजनाओं और भौगोलिक क्षेत्रों में संभव बनाता है। इससे किसानों को बार-बार अपनी पहचान, भूमि स्वामित्व या फसल के विवरण को साबित करने की जरूरत नहीं होती है। इसमें गोपनीयता और डेटा संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए किसानों से संबंधित जानकारी तक पहुंच एक मजबूत सहमति तंत्र के जरिए होती है।

कागजी रिकॉर्ड से डिजिटल आधार तक

दशकों तक, कृषि संबंधी प्रशासन कागजी अभिलेखों और मैनुअल सर्वेक्षण पर बहुत अधिक निर्भर रहा। यह अक्सर नागरिकों के लिए उत्पीड़न और भ्रष्टाचार का कारण बनता था। एग्री स्टैक इस पुरानी परंपरा से हटकर एक क्रांतिकारी बदलाव लाता है। किसानों की पहचान का डिजिटलीकरण करके और उन्हें भूमि एवं फसल के आंकड़ों से जोड़कर, यह भारतीय कृषि की एक विश्वसनीय और नई तस्वीर पेश करता है।

अब तक 9 करोड़ से अधिक किसान आईडी का सृजन इस सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये डिजिटल आईडी एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में कार्य करते हैं। इससे किसानों को बार-बार सत्यापन के बिना कई सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिलती है और लेन-देन की लागत कम हो जाती है। सरकारी एजेंसियों की दृष्टि से, ये आईडी लाभार्थियों की पहचान में होने वाली त्रुटियों को कम करते हैं और लाभ का सही लाभार्थियों तक पहुंचना सुनिश्चित करने में सहायक साबित होते हैं।

हालांकि, यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि एग्री स्टैक की शुरुआत मुख्य रूप से किसानों को विभिन्न योजनाओं के लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाने के इरादे से की गई है, लेकिन यह भूमि के रिकॉर्ड या भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र की जगह नहीं लेगा। भले ही अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) के साथ इसका जुड़ाव प्रामाणिकता सुनिश्चित करता हो।

डिजिटल फसल सर्वेक्षणः फसल की वास्तविक जानकारी

वर्ष 2025-26 में, 24 राज्यों ने 600 से अधिक ज़िलों में लगभग 30 करोड़ भूखंडों पर मोबाइल उपकरणों, जियोटैगिंग और सैटेलाइट की मदद से डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया। यह सर्वेक्षण पारंपरिक विधियों से हटकर एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पारंपरिक विधियां अक्सर धीमी होती थीं और उनमें विसंगतियों या त्रुटियों की गुंजाइश अधिक रहती थी।

यह डेटा उपज का अनुमान लगाने, खरीद की योजना बनाने और बाजार से संबंधित पूवार्नुमान लगाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। यह सूखे, बाढ़ या कीटों के कारण फसल पर पड़ने वाले दबाव की शीघ्र पहचान करके आपदा की तैयारी को भी ठोस बनाता है। किसानों के लिए, बेहतर डेटा समय पर एवं फसल-विशेष से जुड़ी सलाह और गड़बड़ होने पर त्वरित सहायता प्रदान करता है।

सहयोग एवं समावेशन पर आधारित इकोसिस्टम

देश भर में भूमि से जुड़े प्रशासन में मौजूद विविधता को ध्यान में रखते हुए, इस संरचना में स्थानीय जरूरतों के अनुरूप इसे अनुकूलित करने का अंतर्निहित लचीलापन है। साथ ही, अंतरसंचालनीयता सुनिश्चित करने हेतु सामान्य मानकों को बनाए रखा गया है ताकि राज्यों और केंद्रीय प्रणालियों के बीच डेटा का निर्बाध आदान-प्रदान संभव हो सके।

उदाहरण के तौर पर, कुछ ऐसे राज्य हैं जहां दशकों से भूमि के रिकॉर्डों को अद्यतन नहीं किया गया है और पूर्वजों के नाम अभी भी दर्ज हैं। भूमि के रिकॉर्डों को अद्यतन करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन इस बीच, मृतक मालिकों के नाम पर दर्ज भूमि पर खेती करने वाले उत्तराधिकारी किसानों को राजस्व विभाग द्वारा सत्यापन के बाद किसान आईडी जारी किया जा सकता है ताकि लाभों की निरंतरता सुनिश्चित हो सके। जहां भी राज्य के कानून अनुमति देते हैं और राज्य सहमत होते हैं, वहां मजबूत स्वामी-प्राधिकरण तंत्र के साथ, बटाईदारों और किरायेदार किसानों को भी विशिष्ट योजना के लाभों को हासिल करने के लिए शामिल किया जा सकता है।

उत्तर-पूर्वी राज्यों में, जहां सामुदायिक स्वामित्व का वर्चस्व है, भू-निदेर्शांक-आधारित प्रमाणीकरण प्रथागत रीति-रिवाजों को बाधित किए बिना समावेशन की अनुमति देता है।

इससे किसानों को कैसे लाभ होगा?

किसानों के लिए, डिजिटल व्यवस्था का मतलब है कम फॉर्म भरना, स्थानीय कार्यालयों में कम चक्कर लगाना और सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं तक पहुंचने में अधिक पारदर्शिता। भूमि के स्वामित्व और फसलों के इतिहास के अद्यतन विवरणों वाले विश्वसनीय डिजिटल रिकॉर्ड बैंकों और बीमाकताओं को जोखिम का आकलन करने और किसानों की जरूरतों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में समर्थ बनाते हैं। एग्री स्टैक में किसान संगठनों को मजबूत करने की क्षमता है। सत्यापित डेटा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को उपज एकत्रित करने, बेहतर कीमतों के लिए बातचीत करने और कार्यशील पूंजी तक अधिक आसानी से पहुंच हासिल करने में मदद कर सकता है। भूमि से जुड़े डेटा को फसलों की बुवाई और मिट्टी की सेहत से संबंधित विवरणों से लैस करने से कृषि के विस्तार में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता है, क्योंकि अब किसानों की जरूरतों के अनुरूप सलाह तैयार और प्रसारित की जा सकती है। वह भी बहुत कम लागत पर। किसान स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर बुवाई के सर्वोत्तम समय, सिंचाई कार्यक्रम, पोषक तत्वों के प्रयोग और कीट प्रबंधन के बारे में व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशासन और नीतिगत प्रक्रिया पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

एग्री स्टैक शासन की प्रक्रियाओं में सुधार लाने और साक्ष्य-आधारि व डेटा-संचालित नीति निर्माण को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रावधान के कारण नीति निमार्ताओं के पास फसल पैटर्न पर नजर रखने, आपूर्ति और मांग के बीच के अंतर का अनुमान लगाने और मूल्य अस्थिरता को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने हेतु सटीक और समय पर डेटा उपलब्ध होता है।

एक बार किसान की पहचान, भूमि के स्वामित्व और बोई गई फसल का डिजिटल सत्यापन हो जाने के बाद, नकद या वस्तु के रूप में सब्सिडी वितरण, फसल बीमा, खरीद या ऋण आदि से संबंधित लेनदेन डिजिटल रूप से सुचारू रूप से किए जा सकते हैं। आधार-आधारित भुगतान गेटवे लाभ को सही लाभार्थी तक पहुंचना सुनिश्चित करते हैं। यह संशोधित प्रणाली सार्वजनिक व्यय का स्पष्ट डिजिटल रिकॉर्ड बनाकर पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाती है।

यह देखा गया है कि केन्द्र और राज्य स्तर पर विभिन्न मंत्रालयों और कुछ मामलों में तो एक ही मंत्रालय के विभिन्न विभागों ने भी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अपने-अपने किसान डेटाबेस विकसित किए हैं। एग्री स्टैक एक साझा लेकिन सार्वभौमिक डिजिटल माध्यम विकसित करके इस तरह के स्व-निर्मित डेटाबेस की सीमाओं को तोड़ता है ताकि कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारी समितियां, राजस्व, खाद्य, उर्वरक, ऋण और बीमा प्रणालियां एक ही सत्यापित डेटा का उपयोग करके कार्य कर सकें। इससे न केवल परिचालन संबंधी दक्षता बेहतर होती है, बल्कि किसानों पर विभिन्न योजनाओं के लाभ प्राप्त करने के लिए कई पोर्टलों पर पंजीकरण करने का बोझ भी कम होता है।

कई राज्यों ने एग्री स्टैक के उपयोग को सफलतापूर्वक लागू किया है। छत्तीसगढ़ ने पिछले खरीफ सीजन के दौरान एमएसपी आधारित धान की खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण सुचारू रूप से करने हेतु एग्री स्टैक का उपयोग किया। मध्य प्रदेश ने पीएमएएसएचए के तहत सोयाबीन किसानों को मूल्य घाटे के आधार पर सहायता प्रदान करने हेतु इस डेटाबेस का उपयोग किया। महाराष्ट्र आपदा राहत सहित अपने सभी डीबीटी आधारित लाभों के लिए एग्री स्टैक का उपयोग कर रहा है।

नवाचार को प्रोत्साहित करना

एग्रीस्टैक की खुली और मानकीकृत संरचना नवाचार के लिए एक इकोसिस्टम प्रदान करता है। खासकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के लिए। जैसे-जैसे यह स्टैक परिपक्व होता जाता है, स्टार्टअप के लिए फसलों से जुड़े डेटा, मौसम संबंधी पूवार्नुमान और बाजार की कीमतों को उपयोगकर्ता के अनुकूल टूल में संयोजित करने वाले एप्लिकेशन बनाने के अवसर खुलते जाते हैं।

माननीया वित्त मंत्री ने अपने हालिया सार्वजनिक भाषणों में एग्री स्टैक को 'भारत की अगली बड़ी उपलब्धि' और 'यूपीआई जैसी अगली क्रांति' के रूप में पेश किया है। भारत आत्मनिर्भरता और दुनिया का खाद्य भंडार बनने की दिशा में अग्रसर है। ऐसे में एग्री स्टैक एक दूरदर्शी सुधार है। इस सुधार के तहत डेटा किसानों को सशक्त बनाता है, तकनीक शासन को मजबूत करती है और सहयोग प्रगति को गति देता है।

(लेखक भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पूर्व सचिव हैं)

आज का राशिफल

मेषः व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्डषचता रहेगी। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। *(सिटी दर्पण)*

धनुः यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। *(सिटी दर्पण)*

मकरः मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। *(सिटी दर्पण)*

मीनः परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। *(सिटी दर्पण)*

भारत: एकात्म चिंतन की जन्मभूमि

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

हम सब सोचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निमार्ता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या हैं? सूर्य चन्द्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे सम्बंध क्या हैं? आदि।

आखिरकार अस्तित्व को कैसे जाने? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है- जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोडें.? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढें.? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले ही वैज्ञानिक चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था। ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रूक जाना उचित नहीं होता।

सामान्य धारणा है कि विश्व किसी शक्ति द्वारा बनाया गया है। सृष्टि निर्माण 'विश्वकर्म' है। सृष्टि निमार्ता को विश्वकर्मा कहा गया है। ऋग्वेद के एक दार्शनिक सूक्त (10.81) के देवता विश्वकर्मा हैं। ऋषि पूछते हैं 'सृष्टि निर्माण के पहले वे कहां पर बैठे?' प्रश्न उचित है। जब पृथ्वी, आकाश आदि थे ही नहीं तो विश्वकर्मा ने कहां बैठकर यह सृजन कर्म पूरा किया? पूछते हैं कि 'सृष्टि निर्माण का मूल द्रव्य क्या था? वह वन, वृक्ष कौन-सा था? जिससे विश्वकर्मा ने सामग्री ली और विराट विश्व बनाया? यह सब मनीषी लोग जानने का प्रयास करें।' स्तुति है कि 'वे विश्वकर्मा मित्र भाव से हमें ज्ञान दें।'

ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि 'देवताओं के पहले युग समय में असत से सत का जन्म हुआ।' (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन 'समय' है। ऋग्वेद में सत का अर्थ व्यक्त है और असत का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं 'तब न सत था और न असत। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।' यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था। ऋषि के अनुसार वह एक-तत एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का 'वह एक' सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है-अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गयी। फिर विसृष्टि हुई।' फिर कहते हैं 'क्या पता ऊंचे आकाशें में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है।

क्या अंधकार होता है? या प्रकाश के अभाव का नाम ही अंधकार है। अंधकार सृष्टि के पूर्व भी है। संभवतः आकाश या प्रकाश का सूक्ष्म रूप। 'वह एक' बिना वायु ही प्राण ले रहा था। क्या प्राण का विकास वायु हो सकती है। काम का जन्म भी सृष्टि के साथ हुआ। यह ताप या अग्नि ऊर्जा का सूक्ष्म रूप हो सकता है। सबसे अंत में है- विसृष्टि। विसृष्टि-सृष्टि है, इसमें पृथ्वी भी है। भारतीय चिंतन में आकाश सूक्ष्मतम है। आकाश से वायु, वायु के बाद अग्नि, इसके बाद जल और फिर पृथ्वी। सृष्टि का विकास किसी एक तत्व से हुआ है। यहां आकाश प्रमुख तत्व है। कपिल के सांख्य दर्शन में आकाश प्राचीनतम है। भारतीय चिन्तन के पांच महाभूतों में से प्रथम।

भारतीय दर्शन में असीम आकाश का गुण शब्द है। आकाश का अस्तित्व है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार 'सभी भूत आकाश से पैदा होते हैं और आकाश में ही विलीन हो जाते हैं।' आकाश से आना और आकाश में ही लौटना विचारणीय है। ऋग्वेद में ठीक ही आकाश पिता है। ऋग्वेद के पुरूष सूक्त में 'पुरूष' का वर्णन है। यह 'पुरूष' देश-काल की सीमा का अतिक्रमण करता है। उसका सिर आकाश है और सहस्त्रशीर्षा है। इस पुरूष के प्राण का विस्तार वायु है। पुरूष समूचे अस्तित्व को घेरता है। दश अंगुल इसके बाहर भी हैं। संपूर्ण संसार इसका एक चरण है। इसके तीन चरण अन्य लोकों में हैं। यहां जो कुछ चेतन या अचेतन मनुष्य, पशु, कीट, पतिंग, नदी, समुद्र या वन है। पुरूष सब में व्याप्त है। यहां तक हुआ दिक या दिशा का अतिक्रमण। अब काल। बताते हैं कि यह पुरूष ही सब कुछ है-पुरूष एवेदं सर्वं। जो भूतकाल में हो गया है और जो आगे भविष्य में होगा वह सब पुरूष ही है-यद् भूतं यच्च भव्यं।

ऋग्वेद के एक देवता हैं अदिति। अदिति भी सर्वस्व धारण करते हैं। वह अंतरिक्ष है, पृथ्वी हैं। पिता-माता और पुत्र हैं। वे पांच जन हैं। अब तक जो हो चुका है और जो भविष्य में होगा वह सब अदिति ही हैं। समूचे अस्तित्व को एक देखना और स्वयं को उसी का भाग जानना भारतीय चिंतन की मूल भूमि है। यहां अस्तित्व या सृष्टि का कोई निमार्ता नहीं। प्रकृति के गोचर प्रपंच गतिशील हैं। सम्यक गति से प्रगति होती है। प्रकृति का वैज्ञानिक अध्ययन भी मूलतः गति का ही अध्ययन है। प्राचीन यूनानी दार्शनिक थेल्स (लगभग 500 ई0पूर्व) जल को सृष्टि का आदि तत्व मानते थे। इसके हजारों वर्ष पहले ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में 'अप्रकेत सलिल'-जल है। जल से सृष्टि का जन्म हुआ तो जल को माता कहना ही चाहिए।

ऋग्वेद में जल को 'बहुवचन रूप में आपः मातरम्-जल माताएं कहा गया है। स्थावर जंगम को जन्म देने वाली यही जल माताएं ही हैं।' थेल्स जल सम्बंधी चिन्तन ऋग्वेद के संगत है। वैसे ऋग्वेद में अनेक विचार हैं। एक यूनानी दार्शनिक अनक्सिमेनेस 'वायु' को सृष्टि का मूल तत्व बताते थे। ऋग्वेद (10.168) में ऋतावा-नियम वायु है। यहां वायु जलों के मित्र कहे गये हैं-अपां सखा। ऋग्वेद के जल और वायु आदि तत्व इसी रूप में उपनिषदों में भी हैं। हिराक्लिटस अग्नि को प्रधान तत्व जानते थे। अग्नि ऋग्वेद के प्रधान देवता हैं। अग्नि सब जगह हैं। वे जलों में हैं। मनुष्य के भीतर हैं। यत्र-तत्र सर्वत्र हैं। कठोपनिषद् में यम ने नचिकेता को अग्नि विज्ञान समझाया था। यहां अग्नि ही प्रत्येक जगह उपस्थित होकर रूप-रूप प्रतिरूप होते हैं-अग्निर्यथैको भुवनं प्रविष्टो रूपं रूपं प्रतिरूपों वभूवाः। जानने और गहराई से देखने-समझने के एकात्म चिंतन की जन्मभूमि भारत ही है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

सरकार द्वारा खरीफ के मक्का प्रोजेक्ट का 16 जिलों तक विस्तार: खुड्डियां

कहा, प्रति हेक्टेयर 17,500 रुपये की सब्सिडी मिलेगी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- इस कदम का उद्देश्य 50 हजार एकड़ क्षेत्र को धान से खरीफ मक्का के तहत लानाः गुरमीत सिंह खुड्डियां
- योग्य किसानों को सब्सिडी का समय पर और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के लिए पंजीकरण से लेकर सत्यापन तक पूरी प्रक्रिया को डिजिटाइज किया गयाः कृषि मंत्री

राज्य के किसानों को अधिक पानी खपत करने वाली धान की फसल से बाहर निकालकर फसली विविधीकरण की ओर प्रोत्साहित करने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने वर्ष 2026-27 सीजन के लिए खरीफ मक्का विविधीकरण योजना को छह जिलों से बढ़ाकर 16 जिलों तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत किसानों को प्रति हेक्टेयर 17,500 रुपये का वित्तीय लाभ भी दिया जाएगा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि यह फैसला वर्ष 2025-26 खरीफ सीजन के दौरान छह जिलों में लागू किए गए पायलट प्रोजेक्ट को किसानों से मिले बड़े समर्थन के बाद लिया गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को धान से खरीफ मक्का की खेती की ओर प्रेरित कर राज्य में गिरते भूजल स्तर को रोकने के लिए इस परियोजना के विस्तार को एक 'निर्णायक कदम' है।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि इस योजना के तहत अमृतसर, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला, लुधियाना, मोगा, पटियाला, पठानकोट, रूपनगर, संगरूर, एसएएस नगर, एसबीएस नगर और तरनतारन जिलों में 20,000 हेक्टेयर (50,000 एकड़) क्षेत्र को खरीफ मक्का के अंतर्गत लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए किसानों को प्रति हेक्टेयर 17,500 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। इसमें से 4,500 रुपये ब्लॉक कृषि कार्यालय में लागत (इनपुट) बिल जमा कराने पर जारी किए जाएंगे, जबकि शेष 13,000 रुपये अनिवार्य जियो-टैग्ड फसल सत्यापन के बाद दो किस्तों में दिए जाएंगे। राज्य के भूजल कीमती संसाधनों को बचाने के लिए किसानों से खरीफ का मक्का बोने की अपील करते हुए मंत्री ने कहा कि इच्छुक किसान सरकार की वेबसाइट https://agrima-chinerypb.com पर पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए जे-फॉर्म और खेत की जियो-टैगिंग अनिवार्य होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसान ने पिछले वर्ष धान लगाया था और इस वर्ष मक्का की खेती कर रहा है। स. खुड्डियां ने आगे बताया कि उन्नत किसान पोर्टल के माध्यम से सत्यापन दो चरणों में किया जाएगा—पहला 15 जुलाई से 25 जुलाई तक और दूसरा 5 अगस्त से 15 अगस्त 2026 तक। प्रत्येक सत्यापन के बाद जिला मुख्य कृषि अधिकारी क्रमशः 9,500 रुपये और 7,500 रुपये प्रति हेक्टेयर जारी करेंगे। कृषि मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि पंजीकरण से लेकर सत्यापन तक पूरी प्रक्रिया को डिजिटल किया गया है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और योग्य लाभार्थियों को समय पर सब्सिडी मिल सके।

स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने फील्ड स्टाफ को इस योजना के बारे में किसानों को जागरूक करने के लिए अभियान शुरू करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार सुनिश्चित खरीद व्यवस्था के साथ 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर की वित्तीय सहायता देकर मक्का को धान का एक व्यवहारिक और टिकाऊ विकल्प बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरहद पार से हथियारों की तस्करी के मॉड्यूल से जुड़े चार आरोपी सात पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

- गैर-कानूनी हथियारों की खेप आगे आपराधिक तत्वों में बांटी जा रही थी : डीजीपी गौरव यादव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए जारी मुहिम के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सात आधुनिक पिस्तौलों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर सरहद पार से हथियारों की तस्करी के एक और मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान समरबीर सिंह उर्फ सिमर (21) निवासी महिंद्रा कॉलोनी, अमृतसर; सतनाम सिंह उर्फ सत्ता (23) निवासी गांव फतेहपुर, तरनतारन, जो वर्तमान में अमृतसर के कृष्णा नगर में रह रहा था; तनुप्रीत सिंह (26) निवासी प्रताप नगर, अमृतसर; और करनजोत सिंह उर्फ साजन (26) निवासी कृष्णा नगर, अमृतसर के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में ऑस्ट्रिया निर्मित दो 9 एमएम ग्लॉक, चीन निर्मित चार .30 बोर और एक .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि गैर-कानूनी हथियारों की खेप सरहद पार से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी, जिसे स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से आगे आपराधिक तत्वों में वितरित किया जा रहा था। डीजीपी ने कहा कि आरोपियों के अन्य साथियों का पता लगाने के लिए नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है। कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक योजनाबद्ध कार्रवाई में आरोपी समरबीर उर्फ सिमर को दो ग्लॉक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया गया था। आरोपी से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई में उसके तीन अन्य साथियों—सतनाम उर्फ सत्ता, तनुप्रीत सिंह और करनजोत उर्फ साजन—को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिनके खुलासों के आधार पर पांच और पिस्तौल बरामद किए गए। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी सतनाम उर्फ सत्ता पहले भी व्यावसायिक मात्रा में हेरोइन की बरामदगी से संबंधित एक मामले में शामिल रहा है, जिसमें उसके कब्जे से 8 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। उन्होंने आगे बताया कि सतनाम सत्ता और करनजोत उर्फ साजन एक ही मोहल्ले में रहते हैं और पाकिस्तान-आधारित हैंडलर के निर्देशों पर मिलकर काम कर रहे थे।

शंभू ब्लास्ट: जगरूप का शव लेने से परिवार ने पहले किया इनकार, फिर मांगा एक दिन का समय

सिटी दर्पण संवाददाता
राजपुरा (पटियाला)

सीसीटीवी फुटेज पर डीएसपी मनजीत सिंह का बयान

जब इस नए सीसीटीवी फुटेज के संबंध में राजपुरा के डीएसपी मनजीत सिंह से बात की गई, तो उन्होंने कहा, ₹बम ब्लास्ट के आरोपियों की राजपुरा से जाते समय की सीसीटीवी फुटेज अभी मेरे संज्ञान में नहीं आई है और न ही मैंने देखी है इसलिए इस पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हालांकि, डीएसपी ने सुरक्षा व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकस है। शहर के मुख्य स्थानों और संवेदनशील इलाकों में बड़े स्तर पर नाकाबंदी की गई है। संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है और हर संदिग्ध व्यक्ति की गहनता से जांच की जा रही है ताकि कानून व्यवस्था को कायम रखा जा सके।

राजपुरा-शंभू रेलवे ट्रैक पर हुए बम ब्लास्ट मामले में एक नया मोड़ आया है। ब्लास्ट के दौरान मौके पर ही मारे गए आरोपी जगरूप सिंह का शव बीते 28 तारीख से राजपुरा के सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखा हुआ है। शव की शिनाख्त और कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए बीते शनिवार को जीआरपी के इंस्पेक्टर दिलबाग सिंह की अगुवाई में एक टीम आरोपी जगरूप के पैतृक घर तरनतारन पहुंची थी।

शुरूआत में जगरूप के परिवार के सदस्यों ने उसका शव लेने से साफ तौर पर इनकार कर दिया था। हालांकि, बाद में परिवार ने जीआरपी अधिकारियों से दोबारा संपर्क किया और विचार करने के लिए एक दिन का और समय मांगा है। जीआरपी इंस्पेक्टर दिलबाग सिंह ने बताया ₹पहले परिजनों ने शव लेने से साफ मना कर दिया था, लेकिन अब उन्होंने हमसे संपर्क कर सोमवार तक का समय मांगा है। हमें उम्मीद है कि सोमवार को जगरूप के परिवार के सदस्य शव लेने के लिए राजपुरा पहुंचेंगे। अगर कल दोपहर तक परिवार की तरफ से कोई संपर्क नहीं किया जाता है, तो जीआरपी द्वारा जगरूप के शव का पोस्टमार्टम करवाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस पूरे मामले में पुलिस के हाथ एक अहम सुराग लगा है। घटना से ठीक पहले यानी 27 तारीख का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें आरोपी जगरूप सिंह और उसका एक अन्य साथी राजपुरा के बीचों-बीच पैदल जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। शाम के ठीक 5 बजकर 31 मिनट पर दो आरोपी निहंग बाने में नजर आ रहे हैं जोकि राजपुरा से शंभू रेलवे ट्रैक की ओर पैदल बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि इस फुटेज के सामने आने के कुछ ही घंटों बाद राजपुरा-शंभू रेलवे ट्रैक पर एक जोरदार धमाका हुआ था। इसी धमाके में बम प्लांट करने गए जगरूप के परखच्चे उड़ गए थे और उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

जेल में बंद कैदी ने लगाई फांसी, नशा तस्करी के मामले में था गिरफ्तार

फरीदकोट । केंद्रीय मॉडल जेल फरीदकोट में बंद एक कैदी ने बैरक में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान स्वर्णजीत सिंह निवासी गांव लालचियां थाना गुरुहरसहाय जिला फिरोजपुर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार स्वर्णजीत सिंह को थाना सदर जलालाबाद (फाजिल्का) पुलिस ने जुलाई 2017 में नशा तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया था। रविवार सुबह करीब आठ बजे उसने बैरक में लगे चैनल से फंदा लगा लिया। घटना का पता चलते ही जेल प्रशासन उसे तुरंत सिविल अस्पताल लेकर पहुंचा जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जेल अधीक्षक इकबाल सिंह ने घटना की पुष्टि की है।

अप्रैल 2026 में राजस्व में भारी बढ़ोतरी दर्ज: चीमा

- वैट और पी.एस.डी.टी. प्राप्ति में दोहरे अंकों की बढ़ोतरी
- वैट उगाही में 23.28% की भारी बढ़ोतरी, परिणामस्वरूप 230 करोड़ रुपये का इजाफाः हरपाल सिंह चीमा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य के राजस्व उत्पादन में एक बड़े मील के पत्थर को उजागर करते हुए पंजाब के वित्त, आबकारी और कराधान मंत्री ने आज यहां घोषणा की कि राज्य ने अप्रैल 2026 में एक महत्वपूर्ण वित्तीय छलांग लगाते हुए वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) और पंजाब स्टेट डेवलपमेंट टैक्स (पी.एस.डी.टी.) दोनों की प्राप्ति में प्रभावशाली दोहरे अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की है। वित्त मंत्री ने कहा, 'राज्य ने सफलतापूर्वक इन दोनों क्षेत्रों से लगभग 265 करोड़ रुपये का कुल अतिरिक्त राजस्व प्राप्त किया है, जो पूरी तरह से बेहतर निगरानी प्रणालियों, सख्त लागूकरण प्रोटोकॉल और एक पारदर्शी कर प्रशासनिक ढांचे के कारण हासिल की गई सफलता है।'

इस वित्तीय सफलता का विस्तृत विवरण साझा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि इन विशेष कर क्षेत्रों में लगातार ऊपर की ओर बढ़ने वाला रुझान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की स्पष्ट नीतिगत प्राथमिकताओं को उजागर करता है। वित्त मंत्री ने कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारी वैट प्राप्ति ने अप्रैल 2026 के महीने के लिए 23.28% की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की है। इस महत्वपूर्ण वृद्धि ने राज्य के खजाने के लिए लगभग 230 करोड़ रुपये का शुद्ध इजाफा दर्ज किया है, जो कर प्रशासन और अनुपालन में हमारे निरंतर सुधारों को दर्शाता है। राज्य के विकास कर राजस्व में समकालीन सफलता के बारे में विस्तार से बताते हुए, वित्त मंत्री चीमा ने पी.एस.डी.टी. क्षेत्र में देखे गए अत्यंत सकारात्मक रुझानों का विवरण दिया। उन्होंने कहा, 'वैट में मजबूत प्रदर्शन के साथ-साथ, हमारी पी.एस.डी.टी. उगाही में भी 20.43% की प्रभावशाली बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी दर सीधे तौर पर लगभग 35 करोड़ रुपये के इजाफे में तब्दील हुई है। ये आंकड़े इस क्षेत्र के अंदर हमारी बेहतर निगरानी और सख्त लागूकरण प्रोटोकॉल का सीधा प्रतिबिंब हैं।'

वित्त मंत्री चीमा ने इस समग्र आर्थिक प्रगति का श्रेय उन्नत निगरानी रणनीतियों को लगन से लागू करने और निष्पक्ष शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दिया। उन्होंने कहा, 'वैट और पी.एस.डी.टी. में यह मजबूत प्रदर्शन प्रौद्योगिकी-संचालित लागूकरण को सक्रिय करदाताओं की सुविधाओं के साथ जोड़ने की हमारी सरकार की केंद्रित रणनीति को रेखांकित करता है। हमने सरकारी राजस्व की सुरक्षा के उद्देश्य से एक मजबूत लागूकरण ढांचा बनाया है। मैं पंजाब के नागरिकों को भरोसा दिलाता हूं कि टैक्स चोरी के विरुद्ध सख्त कार्रवाइयां जारी रहेंगी और इसके साथ ही हम टैक्स नियमों का पालन करने वाले सभी करदाताओं के लिए एक पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी टैक्स प्रणाली को भी सुनिश्चित बनाए रखेंगे।'

बठिंडा में रिश्तों का कत्ल: सौतेले नाना ने 12 वर्षीय दोहती का दो साल तक किया शोषण

- नशा देकर किया गंदा काम

सिटी दर्पण संवाददाता
बठिंडा

पंजाब के बठिंडा जिले से रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक रूह कपा देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ एक 50 वर्षीय व्यक्ति ने मानवता की सभी हदें पार करते हुए अपनी ही 12 साल की सौतेली दोहती को हवस का शिकार बनाया। आरोपी ने न केवल मासूम के बचपन को कुचला, बल्कि उसे नशीली दवाओं का आदी बनाकर पिछले दो वर्षों से उसका शारीरिक शोषण करता रहा। इस घिनौने कृत्य का खुलासा तब हुआ जब बच्ची की हालत बिगड़ने लगी और मां ने उसे संदिग्ध हालत में नशीला पदार्थ लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता मात्र 10 वर्ष की थी जब आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म करना शुरू किया था। आरोपी, जो रिश्ते में बच्ची का सौतेला नाना लगता है, ने उसे चुप रखने के लिए डराया-धमकाया और धीरे-धीरे उसे नशीले कैप्सूल खिलाने की आदत डाल दी। पीड़िता की मां ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि 26 अप्रैल को उन्होंने अपनी बेटी को चोरी-छिपे नशीला कैप्सूल खाते देखा। जब मां ने कड़ाई से पूछताछ की, तो बच्ची फूट-फूट कर रोने लगी और उसने पिछले दो साल से हो रहे अत्याचार की दास्तां बयां की। बच्ची ने बताया कि नाना उसे डराता था और नशा देकर उसके साथ गलत काम करता था। नशे की लत के कारण बच्ची मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद कमजोर हो चुकी थी। इस खुलासे के बाद मां के पैरों तले जमीन खिसक गई और वह तुरंत बच्ची को नजदीकी अस्पताल ले गई, जहाँ उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उपचार शुरू किया गया। इस संवेदनशील मामले में पुलिस की शुरूआती कार्यप्रणाली ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पीड़िता की मां ने आरोप लगाया है कि जब वह न्याय की गुहार लेकर थाने पहुंची, तो वहां तैनात कर्मचारी शिवराज ने उसे मदद देने के बजाय डराया-धमकाना शुरू कर दिया। मां का आरोप है कि पुलिस ने उनसे जबरन सादे कागजों पर अंगूठा लगवा लिया और बाद में मामले को 'आपसी समझौते' का रूप देने की कोशिश की गई। जब स्थानीय सामाजिक संगठन 'जस्टिस फॉर ऑल ऑर्गनाइजेशन' को इस हेराफेरी की भनक लगी, तो उन्होंने मामले में कड़ा हस्तक्षेप किया। संस्था के प्रतिनिधियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और उच्चाधिकारियों से संपर्क साधा। सामाजिक दबाव और मीडिया में मामला उछलने के बाद पुलिस हरकत में आई और आखिरकार आरोपी के खिलाफ औपचारिक प्राथमिकी दर्ज की गई। स्थानीय लोगों में पुलिस के इस कथित ढुलमुल रवैये को लेकर काफी रोष देखा जा रहा है।

पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज आरोपी सलाखों के पीछे

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी बठिंडा के निर्देश पर एसएचओ कैनाल हरजोत सिंह ने त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है, जिसकी रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्टकी विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एसएचओ हरजोत सिंह ने पुष्टि की है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब उन नशीली दवाओं के स्रोत की भी जांच कर रही है जो आरोपी मासूम को देता था। स्वास्थ्य विभाग की एक टीम बच्ची की काउंसलिंग कर रही है ताकि वह इस मानसिक आघात से बाहर निकल सके। पंजाब बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है और जिला प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

अमृतसर में नशा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ 12 किलो हेरोइन सहित तीन गिरफ्तार

- पाकिस्तान आधारित तस्कर के संपर्क में थे गिरफ्तार आरोपीः डीजीपी गौरव यादव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों पर पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने सीमा पार से नशा तस्करी करने वाले मॉड्यूल के तीन सदस्यों को 12 किलो हेरोइन सहित गिरफ्तार कर इस नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज यहां साझा की।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरजंट सिंह निवासी गांव सकतरा (तरनतारन), अरविंदर सिंह और जशनप्रीत सिंह निवासी गांव बुग्गा जिला तरनतारन के रूप में हुई है। नशीले पदार्थों की खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने खेप की ढुलाई के लिए इस्तेमाल किया जा रहा काले रंग का हीरो मोटरसाइकिल (पी बी 46 ए एल 2286) भी जब्त किया है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी गुरजंट सिंह पाकिस्तान आधारित तस्कर के संपर्क में था। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी तस्कर ने गुरजंट को उसके गांव के आसपास ड्रोन के जरिए सीमा पार से भेजी गई हेरोइन की खेप उठाने की जिम्मेदारी सौंपी थी, जिसे उसे आगे अपने साथियों अरविंदर सिंह और जशनप्रीत सिंह तक पहुंचाना था। ऑपरेशन के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि अमृतसर पुलिस को सूचना मिली थी कि गुरजंट को ड्रोन के जरिए बड़ी खेप प्राप्त हुई है और वह इसे अपने साथियों तक पहुंचाने जा रहा है। इस पुख्ता सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने अमृतसर-छब्बाल रोड पर टोल प्लाजा के पास विशेष नाकाबंदी की। इस दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को रोका और तलाशी लेने पर उनके पास से 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए आगे-पीछे के लिंक जोड़ने हेतु जांच जारी है। इस संबंध में एफआईआर नंबर 28 दिनांक 02-05-2026 को एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 21, 25 और 29 के तहत पुलिस स्टेशन स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में मामला दर्ज किया गया है।

गैंगस्टरों ते वार का 103वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 644 स्थानों पर छापेमारी

- पुलिस टीमों ने 92 व्यक्तियों के विरुद्ध की एहतियाती कार्रवाई, 60 को पूछताछ के बाद किया रिहा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेशों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरों ते वार' के 103वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 644 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों ते वार'—पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान—की शुरूआत 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें लगातार विशेष अभियान चला रही हैं। उन्होंने बताया कि 103वें दिन की कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 350 व्यक्तियों को चार हथियारों सहित गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरूआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 26,175 हो गई है। इसके अतिरिक्त, 92 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 60 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान छह भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों या वांछित अपराधियों के बारे में सूचना दे सकते हैं और आपराधिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी साझा कर सकते हैं। इस दौरान 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के 428वें दिन पुलिस ने 108 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12.4 किलोग्राम हेरोइन, 482 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 2250 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इस अभियान के तहत 428 दिनों में अब तक कुल 62,252 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रतियोगिता गतका आत्मरक्षा, आध्यात्मिकता और उच्च नैतिक मूल्यों को करता है सुदृढ़ : संधवां

12वीं पंजाब राज्य गतका प्रतियोगिता में रूपनगर की लड़कियां बनीं समग्र विजेता

- कहा, गतका का अभ्यास करने वाले खिलाड़ी नशों से दूर रहते हैं और जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाते हैं

सिटी दर्पण संवाददाता
कोटकपूरा

गुरुकुल शिक्षण संस्थान, कोटकपूरा में आयोजित 12वीं पंजाब राज्य गतका प्रतियोगिता (लड़कियां) का समापन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ जिसमें रूपनगर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समग्र विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाजिल्का ने दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि गुरदासपुर और फतेहगढ़ साहिब की टीमों ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी कला, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

समापन समारोह में पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने अंतिम मुकाबले का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने गतका को एक उत्कृष्ट पारंपरिक सिख युद्धकला बताया जो आत्मरक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिकता, अनुशासन और उच्च नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करती है। उन्होंने कहा कि गतका का अभ्यास करने वाले खिलाड़ी नशों से दूर रहते हैं और जीवन में उच्च आदर्शों को अपनाते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को अपने धर्म और नैतिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नैशनल गतका एसोसिएशन आफ इंडिया के प्रयासों की भी सराहना की जिसने राष्ट्रीय स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस

अवसर पर प्रदान किए गए व्यक्तिगत सम्मानों में गुरदासपुर की जपनीत कौर को 'सर्वश्रेष्ठ उभरती खिलाड़ी' तथा फाजिल्का की गुरसिमरन कौर को 'सर्वश्रेष्ठ कनिष्ठ गतकाबाज' का सम्मान दिया गया। लुधियाना की अनूकीरत कौर को 'सर्वश्रेष्ठ फर्री सोटी खिलाड़ी' घोषित किया गया। रूपनगर की पवनीत कौर को 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' और इस्प्रीत कौर को 'सर्वश्रेष्ठ गतका सोटी खिलाड़ी' का सम्मान प्राप्त हुआ। फतेहगढ़ साहिब की सहज कौर को 'सर्वश्रेष्ठ उप-कनिष्ठ प्रतिभा' सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर एडवोकेट हरजीत सिंह ग्रेवाल प्रधान विश्व गतका फेडरेशन तथा प्रधान नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने गतका खेल में हो रही प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक विस्तार देने के लिए योजनाबद्ध रूप से कार्य किया जा रहा है। गतका एसोसिएशन ऑफ पंजाब के अध्यक्ष हरबीर सिंह दुगल तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. मनजीत सिंह ढिल्लों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. ढिल्लों, जो गतका एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष भी हैं, ने अगली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता को कोटकपूरा में आयोजित करने की पेशकश की और विजेता गतका खिलाड़ियों को अपने शिक्षण संस्थानों में निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की।

प्रतियोगिता का संचालन मुख्य निर्णायक तलविंदर सिंह, प्रतियोगिता संयोजक नरेंद्र पाल सिंह, वरिष्ठ निर्णायक हरसिमरन सिंह, शैरी सिंह, प्रदीप सिंह और बलजीत कौर की देखरेख में सफलतापूर्वक किया गया। जिला प्रेस सचिव गुरिंदर सिंह महिंदिरत्ता ने दोनों दिनों मंच संचालन का दायित्व निभाया और जिला गतका एसोसिएशन की गतिविधियों की जानकारी दी।

कॉलेज के प्रबंध निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह छोकर और प्रशासनिक अधिकारी हरप्रीत सिंह ढिल्लों के अनुसार दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में 11 जिलों की 250 से अधिक लड़कियों ने भाग लिया।

ईरान ने अमेरिका को भेजा नया शांति प्रस्ताव राष्ट्रपति ट्रंप को नहीं लगता बनेगी बात

कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान के विदेशमंत्री को टकराव रोकने के लिए दी सूझबूझ से काम लेने की सलाह

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन/दोहा/तेहरान

ईरान ने अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव है। यह प्रस्ताव 14 सूत्रीय है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि यह प्रस्ताव मिल चुका है। उन्होंने शनिवार को पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर पत्रकारों को यह जानकारी दी। ट्रंप ने साफ किया कि उन्होंने अभी भी नहीं लग रहा कि ईरान से बात बन पाएगी। उन्होंने कहा कि वह शांति प्रस्ताव की गहराई से समीक्षा करेंगे। इस बीच अमेरिका-इजराइल के फरवरी के आखिर में किए गए सैन्य हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में संकट लगातार गहरा रहा है। कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान के विदेशमंत्री से सूझबूझ से काम लेने की सलाह दी है।

सीबीएस न्यूज, फॉक्स न्यूज, अल जजीरा और तसनीम की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों को बताया कि ईरान ने अभी-अभी प्रस्ताव भेजा है। बावजूद इसके उन्हें नहीं लगता कि ईरान समझौता कर पाएगा। इसमें आक्रमण न करने की गारंटी, नाकाबंदी हटाने और लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा, ₹मैंने इसे अभी देखा नहीं है। मैं प्रस्ताव की समीक्षा करूंगा। इसके बाद ही हमारे रुख की मीडिया को आधिकारिक जानकारी दी जाएगी।

ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के कुछ समय बाद ट्रुथ सोशल पर लिखा, "मुझे नहीं लगता कि ईरान का शांति प्रस्ताव स्वीकार्य होगा। ईरान ने पिछले 47 वर्षों में मानवता और दुनिया के साथ जो कुछ भी किया है, उसके लिए उसने अभी पूरी कीमत नहीं चुकाई है। वह इस प्रस्ताव को एयरफोर्स वन में पढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान में सब कुछ तबाह हो चुका है। वह समझौता करने के लिए लालायित है।₹ उन्होंने दुहराया कि अगर अमेरिका ईरान से हट भी जाए तो तबाह हुए मुल्क को खड़ा होने में 20 साल लग जाएंगे। ट्रंप ने कहा, "मुश्किल यह है कि यही समझ में नहीं आ रहा का इस समय ईरान का सर्वमान्य नेता कौन है। कभी कोई आगे आ जाता है तो कभी कोई। ऐसी स्थिति में इस बात की पक्की संभावना है कि अमेरिका फिर से कुछ ठिकानों पर सैन्य हमले शुरू कर सकता है। अगर ईरान ने कोई बेजा हरकत की तो उसके लिए बहुत बुरा होगा।" ट्रंप की हमले की टिप्पणी के बाद ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि वह अमेरिका के साथ फिर से युद्ध के लिए तैयार है। इस बीच व्हाइट हाउस ने शनिवार को पुष्टि की कि निक स्टीवर्ट ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए काम कर रही राजनयिक टीम में शामिल हो गए हैं। वह राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान विदेश विभाग के सदस्य रहे हैं। वह तेजतर्रार और अनुभवी नीति विशेषज्ञ हैं। वह विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की प्रतिभाशाली टीम के अहम सदस्य हैं। इससे पहले शनिवार दिन में ईरान के सरकारी मीडिया आउटलेट तसनीम न्यूज ने खुलासा किया था कि तेहरान ने अमेरिका को 14 सूत्रीय प्रस्ताव सौंपा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर सख्ती की तैयारी, ईरान लाएगा नया कानून

तेहरान। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान अब होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर नया कानून लाने की तैयारी में है। ईरानी संसद के उपाध्यक्ष हमीदरेजा हाजी-बाबाई ने संकेत दिया है कि प्रस्तावित कानून के तहत इजराइल से जुड़े जहाजों के इस अहम समुद्री मार्ग से गुजरने पर रोक लगाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव में दुश्मन देशों के जहाजों के लिए कड़े प्रावधान शामिल किए गए हैं। ऐसे जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए युद्ध से जुड़े नुकसान की भरपाई करनी पड़ सकती है। इसके साथ ही अन्य देशों के जहाजों को भी ईरान से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया जा सकता है। हाजी-बाबाई के मुताबिक, युद्ध के बाद क्षेत्रीय हालात बदल चुके हैं और अब होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पहले जैसी नहीं रहेगी। उनका कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। अगर यह कानून लागू होता है तो इसका असर वैश्विक व्यापार, खासकर तेल और गैस आपूर्ति पर पड़ सकता है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में गिने जाने वाले इस जलडमरूमध्य से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का परिवहन होता है।

सुपारी देकर पति की हत्या कराने की आरोपित महिला गोवा से गिरफ्तार, नेपाल लाया गया

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के महोत्तरी जिला पुलिस ने 'शार्प शूटर' को सुपारी देकर अपने ही पति की हत्या कराने के आरोप में एक महिला और उसकी दो बहनों को सात साल बाद भारत से गिरफ्तार किया है। इनमें महोत्तरी के बर्दिवास नगरपालिका गौरीडाँडा निवासी 38 वर्षीय पूजा बस्नेत, उनकी बहनें 33 वर्षीय निशा बस्नेत और 36 वर्षीय आरती बस्नेत शामिल हैं।

महोत्तरी जिला पुलिस बर्दिबास के डीएसपी विकास बम के अनुसार, पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि पूजा ने सात वर्ष पहले अपनी पाँच बहनों और माँ की मदद से शार्प शूटर का इस्तेमाल कर अपने पति श्रवण थापा की हत्या कराई थी। हत्या के बाद आरोपित भारत में रह रहे थे। उन्हें भारत के गोवा से भारतीय सुरक्षाबलों की मदद से नेपाल के बाँके जिला तक लाया गया जहां नेपाल-भारत सीमा क्षेत्र से नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया और शनिवार को महोत्तरी लाया गया। फिलहाल उन्हें जिला प्रहरी कार्यालय महोत्तरी की हिरासत में रखकर आगे की जांच की जा रही है। इस मामले में शामिल 12 आरोपितों में से चार को पुलिस ने घटना के समय ही गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, मृतक की सास लक्ष्मी बस्नेत, सालियाँ कोपिला बस्नेत, अनुसा बस्नेत, सोनी बस्नेत और कथित शूटर जाल मोहम्मद अब भी फरार हैं। घटना के अनुसार, 22 अगस्त 2019 की रात बर्दिवास-सिन्धुली सड़क खंड स्थित स्मृति पार्क के पास श्रवण थापा अपने स्कूटर के साथ गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। स्कूटर सुरक्षित थी लेकिन उनके सिर पर गहरी चोट थी। अस्पताल पहुँचाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। घटना की प्रकृति देखकर पुलिस को शुरू से ही संदेह था कि यह सड़क दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या हो सकती है। पति की मौत के बाद पूजा थापा ने स्वयं शोक संस्कार भी पूरा किया था। इसी दौरान पुलिस ने गुप्त रूप से जांच आगे बढ़ाई। जांच में पता चला कि हत्या से कुछ दिन पहले श्रवण ने गौरीडाँडा की एक जमीन 20 लाख रुपये में बेची थी। आर्थिक कारणों से हत्या की आशंका के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी पूजा को निगरानी में रखकर जांच शुरू की थी।

इसी बीच पुलिस ने हत्या में संलिप्तता के आरोप में नेपाल के सलार्ही जिले के प्रमोद सिंह और मुकेश साह तथा रौतहट जिले के ज्ञानारायण महरा और नरेश सहनी को गिरफ्तार किया था। इन गिरफ्तारियों की जानकारी मिलते ही पूजा, निशा और आरती फरार हो गए थे। उस समय तक अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। शुरूआत में गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस को बताया था कि पूजा ने अपने पति की हत्या के लिए पाँच लाख रुपये की सुपारी दी थी। आरोपितों ने बयान दिया कि उन्होंने रात में सुनसान जगह पर पत्थर से सिर पर हमला कर श्रवण की हत्या की। जनकपुर अंचल अस्पताल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी सिर पर पत्थर से वार किए जाने के कारण मौत होने की पुष्टि हुई थी। पुलिस के अनुसार, पूजा ने बयान दिया है कि पति के नशे की लत और प्रताड़ना से परेशान होकर उसने हत्या कराई।

नेपाल में एक अध्यादेश से 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियां रद

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से मंजूर अध्यादेश के राजपत्र में प्रकाशित होते ही 1500 से अधिक राजनीतिक नियुक्तियां रद हो गई हैं। इसी के साथ 150 सार्वजनिक निकायों के 1,500 से अधिक पद आज रिक्त हो गए। शनिवार को जारी ह्वसार्वजनिक पदाधिकारी हटाने सम्बन्धी विशेष व्यवस्था अध्यादेशह्व को रविवार को राजपत्र में प्रकाशित किया गया है।

इस अध्यादेश का प्रभाव विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों, समितियों, बोर्डों और विभिन्न प्राधिकरणों सहित कई सरकारी निकायों पर पड़ा है। पिछली सरकारों के कार्यकाल में की गई राजनीतिक नियुक्तियां रद कर दी गई है। इस अध्यादेश के दायरे में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, शेर बहादुर देउवा, पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड से लेकर पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की नेतृत्व वाली सरकार के दौरान की गई नियुक्तियां आई हैं।

इस अध्यादेश से नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान, शैक्षणिक संस्थान, संवैधानिक निकाय तथा सरकारी प्रसारण संस्थान भी प्रभावित हुए हैं। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के सचिवालय से राष्ट्रपति को भेजे गए प्रेस नोट में उन 150 सरकारी निकायों के नाम शामिल हैं जिनमें पिछली सरकारों द्वारा नियुक्त किए गए कुल 1594 लोगों को आज से पदमुक्त माना गया है। हालांकि, अध्यादेश में नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर या उसके बोर्ड सदस्यों को हटाने सम्बन्धी कोई सूचना नहीं दी गई है।

बारिश और भूस्खलन से नेपाल के तीन राजमार्ग अवरुद्ध

काठमांडू। नेपाल में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण तीन राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गए हैं, जिसके कारण सैकड़ों यात्रीवाहक बस और मालवाहक ट्रक रास्ते में ही फंसे हुए हैं। पिछले हफ्ते से हो रही बारिश के कारण काठमांडू से जनकपुर को जोड़ने वाला बीपी राजमार्ग अवरुद्ध है। बीपी राजमार्ग के सिंधुली क्षेत्र में बनाए गए अस्थाई डायवर्सन भी बारिश में बह गया है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार इस राजमार्ग की यात्रा पर पूरी तरह रोक लगा दी है। ललितपुर के [illegible] क्षेत्र में भूस्खलन के बाद कान्ति लोकपथ अवरुद्ध हो गया है। काठमांडू ट्राफिक प्रहरी कार्यालय के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे हुए भूस्खलन के कारण काठमांडू-हेटौंडा मार्ग पर सवारी आवागमन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। तराई मधेश को जोड़ने वाले पोस्टल हाइवे का एक पुल टूटने से राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। मधेश प्रदेश ट्रैफिक कार्यालय के तरफ से जारी सूचना में कहा गया है कि धनुषा और सिरहा जिला को जोड़ने वाले पुल के टूट जाने से यह राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है। इस पुल के टूटने से यहां से गुजरने वाले सैकड़ों वाहन रास्ते में ही फंसे हैं। इनमें अधिकांश यात्रीवाहक सार्वजनिक बस और तो कुछ मालवाहक ट्रक और तेल टैंकर हैं।

बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के वाहनों पर हमला, सैन्य अधिकारी और जवानों की मौत

एजेंसी (हि.स.)
इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के ग्वादर और पंजगुर जिलों में 02 मई को हुए दो अलग-अलग बम धमाकों में पाकिस्तान की सेना के वाहनों को निशाना बनाया गया। सबसे पहले ग्वादर के पसनी इलाके के शादिकुर में अज्ञात लोगों ने पाकिस्तानी सेना के एक वाहन पर बम से हमला किया। तेज विस्फोट में वाहन नष्ट हो गया और इस दौरान सैन्य जवान मारे गए। इसके कुछ देर बाद पंजगुर के चिदगी इलाके में इसी तरह के एक अन्य हमले में कई सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। सरकारी अधिकारियों ने अभी तक कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस मीडिया प्लेटफार्म की एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि खुजदार जिले से अगवा किए गए एक व्यक्ति की सरकारी एजेंसियों ने रिहाई कर दी है और एक व्यक्ति को उठा लिया गया है। इस दौरान सरकारी एजेंसियों द्वारा लोगों को अगवा किए जाने के खिलाफ क्वेटा प्रेस क्लब के सामने जारी धरना रविवार को 6153वें दिन में प्रवेश कर गया।

उल्लेखनीय है कि बलोचिस्तान में बलोच राष्ट्रवादियों और पाकिस्तान की संघीय सरकार के बीच संघर्ष का सिलसिला दशकों पुराना है। संघर्ष की पृष्ठभूमि 15 अगस्त 1947 को शुरू होती है। कलात (बलोचिस्तान) ने खुद को अलग करने की घोषणा की थी लेकिन मार्च 1948 में पाकिस्तान ने इसे अपने कब्जे में ले लिया। तब से अब तक पांच अलग-अलग विद्रोह हो चुके हैं। वर्तमान सशस्त्र संघर्ष 2000 के दशक की शुरुआत से सबसे तीव्र रहा है। बलोचिस्तान प्राकृतिक गैस, तेल, सोने और तांबे जैसे संसाधनों से समृद्ध है। बलोच राष्ट्रवादियों का आरोप है कि पाकिस्तान की सरकार इन संसाधनों का दोहन करती है, जबकि यह क्षेत्र देश का सबसे कम विकसित और गरीब प्रांत बना हुआ है। यहां बलोच लिबरेशन आर्मी और बलोच लिबरेशन फ्रंट जैसे सशस्त्र समूह 'आजाद बलूचिस्तान' के लिए पाकिस्तान की सेना पर लगातार हमले करते रहते हैं। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हाल ही में पाकिस्तान की सेना पर कई बड़े हमले किए हैं, जिसमें 10 दिनों के भीतर 40 से अधिक सैनिकों के मारे जाने का दावा किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

मतगणना से पहले मोथाबाड़ी मामले में तृणमूल नेताओं को एनआईए का समन

मालदा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों से ठीक पहले मोथाबाड़ी कांड ने नया मोड़ ले लिया है। न्यायिक अधिकारियों के साथ कथित बदसलूकी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तृणमूल कांग्रेस के कई प्रभावशाली नेताओं और कार्यकर्ताओं को तलब किया है। उन्हें रविवार को कालियाचक थाने में पेश होने का निर्देश दिया गया है। समन पाने वालों में सुजापुर की तृणमूल उम्मीदवार सबीना यास्मीन के चुनावी एजेंट अब्दुल रहमान शामिल हैं, जो जिला परिषद में वन एवं भूमि विभाग के कर्माध्यक्ष भी है। इसके अलावा कालियाचक एक ब्लॉक के तृणमूल अध्यक्ष मोहम्मद सरिउल को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। शनिवार देर रात इन नेताओं को नोटिस दिया गया। गौरतलब है कि, पिछले महीने मोथाबाड़ी में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों को घेरकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। आरोप है कि सूची से नाम हटने को लेकर नाराज भीड़ ने सात अधिकारियों को देर रात तक रोके रखा और उनके साथ दुर्व्यवहार किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्चतम न्यायालय ने जांच एनआईए को सौंपने का आदेश दिया था। इससे पहले क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) इस मामले में मुख्य आरोपित मोफक्केरुल इस्लाम समेत 52 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें से कई फिलहाल एनआईए की हिरासत में हैं। मतगणना से कुछ घंटे पहले सत्ताधारी दल के नेताओं को तलब किए जाने से मालदा जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। अब देखना होगा कि इस कार्रवाई का चुनावी परिणामों पर क्या असर पड़ता है।

मप्र के बरगी क्रूज हादसे में आखिरी शव भी मिला, मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हुई

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में हुए क्रूज हादसे के बाद से चल रहे राहत एवं बचाव कार्य के बीच रविवार को एक और लापता व्यक्ति का शव भी बरामद कर लिया गया। इसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह 9.40 बजे कामराज आर. का शव निकाला गया। इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की शव मिला था। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के पहले दिन 30 अप्रैल को 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और रविवार को चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में चार बच्चे और आठ महिलाएं शामिल हैं। सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा।

कौशांबी में मिट्टी का टीला ढहने से मां-बेटी समेत तीन की मौत

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में जनपद कौशांबी के मंझनपुर थाना क्षेत्र में रविवार को खुदाई के दौरान मिट्टी का टीला ढहने से उसके मलबे में छह से अधिक लोग दब गए। जब तक ग्रामीणों ने सभी को निकालकर अस्पताल पहुंचाया तब तक मां-बेटी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने घटना की जांच पड़ताल की। सीओ सदर शिवांक सिंह ने बताया कि कौशाम्बी जनपद के मंझनपुर तहसील अंतर्गत चाकथामा गांव की कुछ महिलाएं रविवार को अपने मकान और चुल्हे की पुताई के लिए गांव के पास बने तालाब में मिट्टी की खुदाई करने गई थी। खोदते समय मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया, जिसमें कई लोग दब गए। चीख-पुकार मचते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू कर सभी लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया है। अन्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। सीओ ने बताया कि इस घटना में गांव के रहने वाली गीता देवी (35) उसकी बेटी अंकिता (6) और पड़ोसी महिला उत्तरा देवी (55) की मौत हो गई है। वहीं, गीता का बेटा अमित अन्य महिला जितिया देवी का इलाज चल रहा है। चिकित्सकों ने दोनों की हालत खतरे से बाहर बतायी है। मामले की जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया गया और पीड़ितों को हरसंभव मदद पहुंचाने

गुजरात भाजपा अध्यक्ष के कथित बयान पर राहुल-प्रियंका ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। गुजरात भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के बनासकांठा में एक सभा के दौरान कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकोर पर दिए कथित बयान पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इस टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि यह टिप्पणी न केवल शर्मनाक है बल्कि पार्टी की महिला-विरोधी सोच को भी दशार्ती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान की बात करने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर प्रधानमंत्री की चुप्पी चिंताजनक है। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस कथित टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक और अपमानजनक बताया। उन्होंने कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकोर के समर्थन में कहा कि वह उनके संघर्ष से परिचित हैं और इस मुद्दे पर उनके साथ खड़ी हैं। महिलाओं के सम्मान से जुड़े ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल चुनाव में केंद्रीय बलों ने सराहनीय कार्य किया है : अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में केंद्रीय बलों की भूमिका की खुलकर सराहना की है। शनिवार देर शाम पत्रकारों से बातचीत करते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की मौजूदगी के कारण आम मतदाता बिना डर के मतदान केंद्रों तक पहुंच सके और अपेक्षाकृत भयमुक्त माहौल में मतदान हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बलों की तारीफ का मतलब यह नहीं है कि वह भाजपा या चुनाव आयोग का समर्थन कर रहे हैं, बल्कि उनका कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने से लोगों को अपने मताधिकार का उपयोग करने में सहूलियत मिली। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल के मुंह से धर्म की बात करना उचित नहीं लगता।

तय सीमा पर रासायनिक खाद उपलब्ध नहीं कराई तो लाइसेंस होगा रद्द

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के कृषि मंत्रालय ने किसानों को रासायनिक उर्वरक की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नई और कड़ी व्यवस्था के साथ नई कार्यविधि लागू की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि समय पर खाद की सप्लाई नहीं कर पाने और कालाबाजारी करने वालों का लाइसेंस रद्द किया जायेगा।

नेपाल की कृषि मंत्री गीता चौधरी ने 'अनुदानयुक्त उर्वरक वितरण व्यवस्थापन कार्यविधि' के दूसरे संशोधन को मंजूरी दी। इस कार्यविधि के लागू होने के बाद अब किसानों को रासायनिक उर्वरक आसानी से उपलब्ध कराने तथा उर्वरक आपूर्ति और वितरण प्रणाली को व्यवस्थित, पारदर्शी और अधिक प्रभावकारी बनाने का दावा किया गया है। मंत्रालय का मानना है कि इस कार्यविधि को पूरी तरह लागू करने से कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि होगी, देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी और समग्र आर्थिक समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। संविधान में व्यवस्था किए गए 'खाद्य सम्बन्धी अधिकार' को लागू करने में सहयोग देने के उद्देश्य से लाई गई इस विस्तृत कार्यविधि से उर्वरक कोटा निर्धारण से लेकर किसानों के खेत तक पहुंचने वाली पूरी प्रक्रिया कानून के दायरे में होगी। अब सरकार लागत साझेदारी के आधार पर किसानों को अनुदान में उर्वरक उपलब्ध कराएगी। बजट की सुनिश्चितता अर्थ मंत्रालय करेगा, जबकि कृषि मंत्रालय मांग और खपत की स्थिति को देखते हुए वार्षिक कोटा तय करेगा। उर्वरक वितरण प्रणाली को वैज्ञानिक बनाने के लिए मंत्रालय ने कोटा निर्धारण के लिए स्पष्ट और गणितीय आधार तय किया है।

नेपाल में हवाई ईंधन में भारी बढ़ोत्तरी से घरेलू उड़ान बंद होने के कगार पर

काठमांडू। नेपाल की आन्तरिक उड़ान संचालन कर रही निजी विमान सेवा कंपनियों ने कहा है कि हवाई ईंधन की कीमत में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण उनकी सेवाएँ बंद होने की स्थिति में पहुँच गई हैं। विमान सेवा संचालक संघ ने संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री गणेश पौडेल को पत्र लिखकर विमान सेवा कंपनियों के लिए राहत और विशेष सहूलियत की मांग की है। संघ द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि कोरोना महामारी, 8-9 सितंबर को हुए जेन-जी आंदोलन तथा वर्तमान में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण हवाई ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि ईंधन मूल्य बढ़ने के साथ सदस्य विमान सेवा कंपनियों का उड़ान खर्च भी अत्यधिक बढ़ गया है और नेपाल आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी गिरावट आई आई है। इन परिस्थितियों के कारण कंपनियां प्रतिदिन गंभीर आर्थिक संकट झेल रही हैं और सेवा संचालन बंद करने की नौबत आ गई है। कंपनियों के अनुसार, संचालन खर्च में ईंधन का हिस्सा अब 55 से 60 प्रतिशत तक पहुँच गया है, जबकि व्यापार में भारी गिरावट आई है। विमान सेवा कंपनियों ने सिविल एविएशन ऑथोरिटी द्वारा लिए जाने वाले विभिन्न शुल्कों- जैसे लैंडिंग, पार्किंग, नेविगेशन, हाउजिंग और किराया शुल्क में वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए 50 प्रतिशत तक छूट देने की मांग की है। इसके अलावा, कंपनियों ने विमानस्थल सेवा शुल्क नियमावली में संशोधन कर शुल्क दर घटाने की भी मांग की है। वायुसेवा कंपनियों ने यह भी मांग की है कि उन्हें विशेष उद्योग का दर्जा देकर आयकर कानून के तहत 20 प्रतिशत कर छूट प्रदान की जाए। साथ ही, कंपनियों ने कहा है कि वर्तमान में सिविल एविएशन ऑथोरिटी द्वारा अमेरिकी डॉलर में शुल्क वसूल रहा है इसलिए इन शुल्कों को नेपाली रुपये में निर्धारित किया जाना चाहिए।

भारत-कंबोडिया द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'सिनबैक्स' के लिए भारतीय दल रवाना

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली, 03 मई (हि.स.)। द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'सिनबैक्स' के लिए भारतीय सेना का दल कंबोडिया रवाना हो गया है। यह अभ्यास 04 से 17 मई तक कंबोडिया साम्राज्य के कंम्पोंग स्पेयू प्रांत स्थित टेको सेन फ्नोम थॉम म्रीस प्रॉव रॉयल कंबोडियन एयर फोर्स प्रशिक्षण केंद्र (कैंप बेसिल) में होगा। भारत के रक्षा सहयोग के अंतर्गत कंबोडिया के साथ यह द्विपक्षीय अभ्यास 'सिनबैक्स-द्वितीय' वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बदलते परिदृश्य के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के अध्याय श्क्क्के ढांचे के अंतर्गत होगा, जिसमें उप-पारंपरिक वातावरण में अभियानों के संचालन का संयुक्त प्रशिक्षण प्रदर्शन किया जाएगा। भारतीय सेना के दल में 120 सैन्य कर्मी हैं, जिनमें अधिकांश मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट की एक बटालियन से हैं। कंबोडियाई दल 160 कार्मिकों का है, जो रॉयल कंबोडियन आर्मी से हैं। यह संयुक्त अभ्यास उन आतंकवाद-रोधी अभियानों की वर्तमान कार्य-प्रक्रिया के अनुरूप होगा, जिनका सामना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना अभियानों के दौरान शांति-रक्षक बल करते हैं। इस द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास के उद्देश्य की प्राप्ति विभिन्न व्यावहारिक एवं व्यापक विचार-विमर्शों तथा सामरिक अभ्यासों के माध्यम से की जाएगी। अभ्यास के अंतर्गत ड्रोन संचालन, मोर्टार तथा स्नाइपर रणनीतियों सहित विशेष कौशल प्रशिक्षण भी होगा। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के दलों के बीच अंतर-संचालन क्षमता, समन्वय तथा परिचालन तालमेल को सुदृढ़ करना है।

नब्बे मीट्रिक टन एलपीजी के गबन के मामले में ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स का प्लांट मैनेजर गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर/महासमुंद

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एलपीजी गैस के बड़े गबन के मामले में पुलिस ने 40 सदस्यीय टीम बनाकर इस 1.5 करोड़ के गबन का पदार्फाश कर दिया है। इस मामले में ठाकुर पेट्रोकेमिकल्स के प्लांट मैनेजर निखिल वैष्णव (41) को 2 मई 2026 को पुलिस ने गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है।

महासमुंद पुलिस की आज दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी के मालिक संतोष सिंह ठाकुर और डायरेक्टर सार्थक (साकिन) ठाकुर अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने कंपनी के कार्यालय से डीवीआर, कंप्यूटर और कई कच्चे दस्तावेज भी जब्त किए हैं, जिनसे अवैध बिक्री के सबूत मिले हैं। पुलिस ने बताया है कि दिसंबर 2025 में सरायपाली प्रशासन ने अवैध रिफिलिंग के आरोप में 6 एलपीजी कैप्सूल टैंकरों को जब्त कर सिंघोड़ा थाने में रखा था। थाने में ज्वलनशील गैस के खतरे को देखते हुए, कलेक्टर के निर्देश पर इन ट्रकों को 30 मार्च 2026 को सुरक्षित रखने के लिए अभनपुर स्थित 'ठाकुर पेट्रोकेमिकल कंपनी' को सौंपा गया था। जब टैंकर मालिक उच्च न्यायालय से जमानत लेकर 17 अप्रैल को अपने वाहन वापस लेने पहुंचा, तो सभी टैंकर खाली मिले। जांच में पता चला कि कंपनी के मालिक और मैनेजर ने मिलकर सुनियोजित तरीके से 31 मार्च से 6 अप्रैल के बीच गैस को धीरे-धीरे खाली किया और उसे अवैध रूप से घरेलू व कमर्शियल सिलेंडरों में भरकर बाजार में बेच दिया। आरोपितों बताया कि गैस का रिसाव हो गया था। आरोपितों ने मात्र 5 दिनों (31 मार्च से 5 अप्रैल) के भीतर सभी 6 कैप्सूल ट्रकों से करीब 90 मीट्रिक टन गैस निकाल ली थी।

मैराथन | अप्रैल में 2.7 लाख रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापना का उत्सव

केंद्र ने अंतरराष्ट्रीय सूर्य दिवस पर 'रन फॉर सन' मैराथन की आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय सूर्य दिवस के अवसर पर रविवार को 'रन फॉर सन' मैराथन का आयोजन किया। इस दौरान अप्रैल में 2.7 लाख रूफटॉप सौर संयंत्र स्थापित करने की उपलब्धि का भी उत्सव मनाया गया।

मंत्रालय के अनुसार, यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित इस मैराथन में 2 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्रालय के सचिव संतोष कुमार सारंगी ने कहा कि 'रन फॉर सन' केवल एक मैराथन नहीं, बल्कि सतत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के विस्तार के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा का लाभ प्रत्येक घर तक पहुंचाने पर सरकार का विशेष जोर है।

मंत्रालय ने बताया कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हासिल की गई है। इस योजना के अंतर्गत अब तक 30 लाख से अधिक रूफटॉप सौर संयंत्र लगाए जा चुके हैं, जिससे देशभर में 45 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान देश की सौर ऊर्जा क्षमता में हुई वृद्धि को भी रेखांकित किया गया।

31 मार्च तक भारत की कुल सौर क्षमता 150 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो वर्ष 2014 में 2.82 गीगावाट थी। इस प्रकार पिछले वर्षों में सौर ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मंत्रालय ने बताया कि देश की कुल स्थापित विद्युत क्षमता का लगभग 50 प्रतिशत अब गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से आ रहा है, जो वर्ष 2030 के लक्ष्य से पहले ही हासिल कर लिया गया है। भारत वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर है। यह कार्यक्रम देश में सौर ऊर्जा के प्रसार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

थॉमस कप के सेमीफाइनल में हार के बाद भारत को कांस्य पदक

बीएआई ने बताया बड़ी उपलब्धि, कहा हम अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन टीम को थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस के विरूद्ध 3-0 से हार मिली। भारत को कास्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम के प्रदर्शन पर भारतीय बैडमिंटन संघ ने कहा कि भले ही पदक का रंग वह न हो जिसकी हमने उम्मीद की थी, लेकिन विश्व मंच पर कांस्य पदक हासिल करना भारतीय बैडमिंटन के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि भले ही नतीजा हमारे पक्ष में नहीं रहा, लेकिन कोर्ट पर हमारा जोश और पक्के इरादे ने दुनिया को यह याद दिला दिया कि हम चैंपियन क्यों हैं। हम इस अनुभव से मिली सीख, यादें और कांस्य पदक अपने साथ घर ले जा रहे हैं। बीएआई ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि हम अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक। बैंकॉक 2022 से लेकर एक बार फिर पोडियम तक- थॉमस कप में भारत का दबदबा कायम है। फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव, एलेक्स लैनियर और टोमा जूनियर पोपोव ने भारत के आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत और एच.एस. प्रणॉय के खिलाफ सीधे गेम में जीत हासिल की। इस मैच में भारत को स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन की कमी साफ महसूस हुई, जो चोट के कारण सेमीफाइनल में नहीं खेल पाए।

एकल के पहले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी आयुष शेट्टी विश्व के नंबर 4 खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव के सामने टिक नहीं पाए। फ्रांस के खिलाड़ी ने तेज गति और सटीकता का प्रदर्शन करते हुए जबरदस्त खेल दिखाया। पोपोव ने 21-11, 21-9 से जीत दर्ज कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे एकल मुकाबले में अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का सामना फ्रांस के एलेक्स लैनियर से हुआ। श्रीकांत ने मुकाबले में कड़ी टक्कर दी, लेकिन लैनियर ने अहम मौकों पर संयम बनाए रखते हुए 21-16, 21-18 से जीत हासिल की।

तीसरे एकल गेम में भारतीय टीम करो या मरो की स्थिति थी। यहां एच.एस. प्रणॉय का सामना फ्रांसीसी खिलाड़ी टोमा जूनियर पोपोव से हुआ। प्रणॉय ने शुरूआती बढ़त हासिल की, लेकिन पोपोव ने अपनी गति और नियंत्रण से मैच पलट दिया। इस कड़े मुकाबले में फ्रांस के खिलाड़ी ने प्रणॉय को 21-19, 21-16 से हराकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

खेल मंत्री मांडविया ने मदिकेरी में उभरते हॉकी खिलाड़ियों से की मुलाकात

बताया- भविष्य के ओलंपियन

एजेंसी (हि.स.)
मदिकेरी

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने कर्नाटक के मदिकेरी स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रशिक्षण केंद्र का दौरा कर युवा हॉकी खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिभाओं को पहचानने और निखारने पर जोर देते हुए भारत को खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में इसे अहम बताया। मांडविया ने विशेष रूप से कोडवा समुदाय की महिला हॉकी खिलाड़ियों से बातचीत की और उनकी प्रतिभा की सराहना की।

उन्होंने कहा कि कोडगु जिला भारतीय हॉकी की मजबूत नींव रखने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है। इस समुदाय से कई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और ओलंपिक में भी हिस्सा ले चुके हैं। खेल मंत्री ने कहा कि देश में खेलों के लिए व्यापक और मजबूत ढांचा तैयार किया जा रहा है, जिसमें जमीनी स्तर से प्रतिभाओं को आगे लाना प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और सही दिशा में प्रयासों से देश वैश्विक स्तर पर खेलों में मजबूत पहचान बना सकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार खेल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मांडविया ने उम्मीद जताई कि वर्ष 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें शानदार प्रदर्शन करेंगी। मदिकेरी स्थित साई प्रशिक्षण केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस है और यहां युवा खिलाड़ियों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह केंद्र देश के विभिन्न राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के लिए प्रतिभाएं तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मांडविया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ये युवा खिलाड़ी भविष्य में भारत का नाम रोशन कर सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए महिला टीम का ऐलान, टी20 और वनडे स्क्वॉड घोषित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की महिला 'ए' टीम का ऐलान कर दिया गया है। चयन समिति ने इंडिया-ए महिला क्रिकेट टीम की टी20 और वनडे दोनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग स्क्वॉड घोषित किए हैं, जो इंग्लैंड-ए महिला टीम के खिलाफ सीरीज खेलेंगे।

टी20 टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी अनुष्का शर्मा को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी वृंदा दिनेश को दी गई है। टीम में युवा और उभरते खिलाड़ियों को मौका दिया गया है, जिनमें जी. कमलिनी (विकेटकीपर), उमा चेत्री, वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत, पूर्वजा वर्लेकर, जिंतिमानी कलिता, सैमा ठाकोर, सिमरन बहादुर, श्वेता सहरावत, दीया यादव, मिन्नू मणि, शबनम शकील और तनुजा कंवर शामिल हैं। वहीं वनडे टीम की कप्तानी हरलीन देओल को सौंपी गई है, जबकि प्रतिका रावल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम में प्रिया पुनिया, तनिषा सिंह, जी. कमलिनी (विकेटकीपर), उमा चेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसबनीस, निकी प्रसाद, प्रेमा रावत, तनुजा कंवर, वैष्णवी शर्मा, शबनम शकील, सयाली सतघरे, जिंतिमानी कलिता और सैमा ठाकोर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस दौरे को युवा खिलाड़ियों के लिए अहम अवसर माना जा रहा है, जहां वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित कर सकेंगे। चयनकर्ताओं ने संतुलित टीम बनाने की कोशिश की है, जिसमें अनुभव और युवा जोश का अच्छा मिश्रण देखने को मिलता है। इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण माना जाता है, ऐसे में यह सीरीज खिलाड़ियों के कौशल और मानसिक मजबूती की भी परीक्षा होगी। इस दौरे से कई नई प्रतिभाएं उभरकर सामने आ सकती हैं, जो भविष्य में सीनियर टीम के लिए दावेदारी मजबूत करेंगी।

युवा कार्तिक की तारीफ में गायकवाड़ बोले- उसमें हर परिस्थिति में ढलने की है काबिलियत

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने युवा खिलाड़ी कार्तिक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि वह न सिर्फ बड़े शॉट लगा सकता है, बल्कि समझदारी से खेलते हुए हर परिस्थिति में खुद को ढाल सकता है। नंबर चार पर उसकी मौजूदगी टीम को बेहतर संतुलन देती है, जहां वह तेज गेंदबाजों और स्पिन दोनों के खिलाफ प्रभावी भूमिका निभा सकता है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 44वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) पर आठ विकेट से जीत दर्ज की। सीएसके की जीत में 20 वर्षीय कार्तिक शर्मा की भी अहम भूमिका रही, जिन्होंने 4 चौके और तीन छक्के की मदद से 40 बॉल पर नाबाद 54 रन बनाए। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मैच के बाद कहा, हमने शुरूआत अच्छी की, लेकिन फिर कुछ ओवर में उन्होंने लय पकड़ी। उसके बाद हमने वापसी की। पावरप्ले के बाद हमने मैच को बहुत अच्छे से कंट्रोल में कर लिया। बस शुरूआती कुछ ओवरों को निकालने की बात थी और फिर यह पक्का करना था कि टॉप तीन बल्लेबाजों में से कोई एक आखिर तक टिका रहे और काम पूरा करे।

ऑस्ट्रेलिया के विरूद्ध हमने अच्छा खेला, लेकिन अब हमारा ध्यान जापान पर : कोंटी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फुटबॉल टूर्नामेंट एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में 21 साल बाद वापसी करने वाली भारतीय टीम को अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम का फोकस अगले मैच पर है, जिसे टीम जीतकर वापसी करना चाहती है। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने कहा कि मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमने अच्छा खेला, लेकिन अब हमारा ध्यान जापान के खिलाफ मैच पर है।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से बात करते हुए मुख्य कोच पामेला कोंटी ने माना कि मुकाबला कठिन था और ऑस्ट्रेलिया शारीरिक रूप से मजबूत टीम है। उन्होंने कहा कि टीम ने रक्षात्मक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। ज्यादा गोल न खाना महत्वपूर्ण था और अंत में जो गोल हुआ, वो हमारी अपनी गलतियों के कारण हुआ। हमें इसी क्षेत्र में काफी सुधार करने की जरूरत है। परिणाम के बावजूद उन्होंने रक्षात्मक दृष्टि से कुछ विशिष्ट सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसमें कई सकारात्मक पहलू हैं। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया ज्यादा गोल नहीं कर पाई। हमने बहुत अच्छी तरह से बचाव किया। सभी खिलाड़ियों ने जबरदस्त जोश और प्रतिबद्धता दिखाई। अब हमारा ध्यान जापान पर केंद्रित है।

कोच ने कहा कि मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है। हमने शानदार मैच खेला। ऑस्ट्रेलिया एक बहुत मजबूत टीम है। अब हमें जापान का सामना करना है, जो शायद और भी कठिन होगा। हमें खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति का भी ध्यान रखना होगा क्योंकि यह आसान नहीं होगा।

मिडफील्डर थंदामोनी बास्के ने भी इस भावना को दोहराया। उन्होंने कहा कि यह हमारा पहला मैच था। मुझे लगता है कि हमने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन हम और भी बेहतर कर सकते थे। वे ज्यादा शॉट नहीं लगा पाए और जो एक गोल आखिर में उन्होंने किया वह भी हमारी गलती से हुआ। अभी हमारे पास मैच बाकी हैं, इसलिए हम और कड़ी मेहनत करेंगे और जीतने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम ने शनिवार को चीन के सूजौ स्थित सूजौ ताइहु फुटबॉल स्पोर्ट्स सेंटर पिच 8 में खेले गए ग्रुप बी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-2 से हार के साथ एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप 2026 अभियान की शुरूआत की। भारत अब पांच मई को चार बार की चैंपियन जापान से भिड़ेगा, जिसके बाद आठ मई को उसका सामना लेबनान से होगा।

भीषण गर्मी और लू से बचाएगा 'वरियाली शरबत', नोट करें बेहद आसान रेसिपी

सर्दियों के जाते ही सूरज के तेवर तल्ख होने लगे हैं। उत्तर भारत से लेकर गुजरात तक लू और डिहाइड्रेशन ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। ऐसे में अमर उजाला की यह रिपोर्ट एक पारंपरिक और बेहद असरदार नुस्खा लेकर आई है- वरियाली शरबत। गुजरात का यह प्रसिद्ध पेय न केवल स्वाद में लाजवाब है, बल्कि भीषण गर्मी में शरीर के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आइए जानते हैं इसे बनाने का तरीका और इसके फायदों के बारे में विस्तार से: 'वरियाली' गुजराती शब्द है जिसका अर्थ होता है सौंफ। आयुर्वेद में सौंफ को तासीर में बेहद ठंडा माना गया है। गर्मी के मौसम में जब पसीने के जरिए शरीर से जरूरी मिनरल्स बाहर निकल जाते हैं, तब यह शरबत इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित करने में मदद करता है। यह ड्रिंक उन लोगों के लिए रामबाण है जिन्हें धूप में निकलने पर जल्दी थकान महसूस होती है या जिनका पेट गर्मी की वजह से खराब रहता है। सौंफ पाचन शक्ति को बढ़ाती है और पेट की जलन को शांत करती है।

सामग्री

- इस शरबत को बनाने के लिए आपको किचन में मौजूद बुनियादी चीजों की जरूरत होगी।
- सौंफ (वरियाली): 2-3 बड़े चम्मच
- मिठास के लिए: चीनी या गुड़ (स्वादानुसार)
- नींबू: 1 मध्यम आकार का
- काला नमक: एक चुटकी (स्वाद और पाचन के लिए)
- पानी: ठंडा (आवश्यकतानुसार)
- पुदीना: ताजी पत्तियां (गार्निशिंग और एक्स्ट्रा ठंडक के लिए)
- बर्फ के टुकड़े: वैकल्पिक

बनाने की विधि

सौंफ को भिगोना: सबसे पहले सौंफ को साफ पानी से धो लें। अब इसे एक कप पानी में कम से कम 4 से 5 घंटे के लिए भिगो दें। अगर आप सुबह यह शरबत पीना चाहते हैं, तो रातभर भिगोना सबसे बेहतर परिणाम देता है। इससे सौंफ के गुण पानी में पूरी तरह समा जाते हैं। **पेस्ट तैयार करना:** भीगी हुई सौंफ को उसी पानी के साथ मिक्सर जार में डालें और बारीक पीस लें। **छानने की प्रक्रिया:** तैयार पेस्ट को एक बारीक छन्नी या सूती (मलमल) के कपड़े से अच्छी तरह छान लें। यह सुनिश्चित करें कि सारा अर्क निकल आए और केवल मोटा रेशा अलग रह जाए। **स्वाद का तड़का:** अब इस अर्क में स्वादानुसार गुड़ या चीनी मिलाएं। इसमें आधा नींबू निचोड़ें और काला नमक डालें। काला नमक न केवल स्वाद बढ़ाता है, बल्कि लू से भी बचाता है। **सर्विंग:** अंत में इसमें ठंडा पानी और पुदीने की पत्तियां डालें। अगर आपको ज्यादा ठंडा पसंद है, तो आइस क्यूब्स डालें और ताजगी भरे वरियाली शरबत का आनंद लें।

क्यों है यह अन्य ड्रिंक्स से बेहतर?

बाजार में मिलने वाले कोल्ड ड्रिंक्स या प्रिजर्वेटिव युक्त जूस में शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो शरीर को तात्कालिक एनर्जी तो देते हैं लेकिन प्यास नहीं बुझाते। इसके विपरीत, वरियाली शरबत एक नेचुरल डिटॉक्स ड्रिंक है। यह खून को साफ करने में मदद करता है और त्वचा पर होने वाले गर्मी के दानों को भी कम करने में सहायक है। धूप से घर लौटने के तुरंत बाद इसे पीने से शरीर का तापमान सामान्य होता है और हीट स्ट्रोक का खतरा कम हो जाता है।

गर्मियों का सुपरफूड: 30 तरह के रायते सेहत और स्वाद का डबल डोज

गर्मियों के मौसम में जब भूख कम लगती है और प्यास ज्यादा, तब 'रायता' एक ऐसे सुपरफूड के रूप में उभरता है जो न केवल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाता है बल्कि शरीर को अंदरूनी ठंडक भी देता है। अमर उजाला की इस विशेष रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे आप साधारण दही को 30 अलग-अलग अंदाज में परोसकर अपनी थाली को हर दिन नया जायका दे सकते हैं। दही आधारित रायता गर्मियों में 'हाइड्रेशन' का सबसे सस्ता और प्रभावी जरिया है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं, जिससे एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं कोसों दूर रहती हैं।

30 वैरायटी: बोरियत को कहें अलविदा

ज्यादातर घरों में सिर्फ बूंदी या खीरे का रायता बनता है, लेकिन आप इन विकल्पों को भी आजमा सकते हैं। **फलों का तड़का:** आम, अनार, केला, सेब, अंगूर और अनानास का रायता। **सब्जियों की शक्ति:** लौकी, चुकंदर, भिंडी, गाजर, शिमला मिर्च और पुदीना रायता। **मसालेदार स्वाद:** लहसुन, कढ़ी पत्ता, भुना जीरा और दही-मिर्च रायता।

विधि और टिप्स

दही का चयन: हमेशा ताजा और गाढ़ा दही लें। इसे अच्छी तरह फेंट लें ताकि कोई गुठली न रहे। **सामग्री का मेल:** अपनी पसंद की सब्जी (कद्दूकस की हुई या उबली हुई) या फल के टुकड़े मिलाएं। **मसाले:** स्वादानुसार काला नमक, भुना हुआ जीरा और पुदीना पाउडर डालें। **गार्निशिंग:** ताजी हरी धनिया या बारीक कटी मिर्च से सजाएं। **प्रो टिप:** रायते को हमेशा सर्व करने से 15-20 मिनट पहले फ्रिज में रखें। ठंडा रायता 'कूलिंग इफेक्ट' को दोगुना कर देता है।

गर्मियों में रायता खाने के 4 बड़े फायदे

पाचन में सहायक: दही पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाता है, जिससे भारी भोजन भी आसानी से पच जाता है। लू से बचाव: इसकी तासीर ठंडी होती है, जो शरीर के तापमान को नियंत्रित कर लू से बचाती है। **वेट लॉस:** कम कैलोरी और हाई प्रोटीन होने के कारण यह वजन घटाने वालों के लिए एक बेहतरीन स्नैक है। **एनर्जी बूस्टर:** इसमें मौजूद कैल्शियम और विटामिन्स शरीर को दिनभर ऊर्जावान बनाए रखते हैं।

पके केले: स्वाद और पोषण का खजाना

अक्सर गर्मियों में रसोई में रखे केले एक-दो दिन में ही ज्यादा पक कर काले पड़ने लगते हैं। ऐसे केलों को फेंकने के बजाय आप इनसे कुछ ऐसी शानदार डिशेज बना सकते हैं, जो स्वाद और सेहत दोनों में लाजवाब हैं। पके हुए केलों की प्राकृतिक मिठास चीनी के इस्तेमाल को कम करती है, जिससे ये रेसिपीज और भी हेल्दी हो जाती हैं। जब केला ज्यादा पक जाता है, तो उसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ जाती है और वह पचने में भी आसान होता है।

बनाना आइसक्रीम

गर्मियों में बच्चों के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। **कैसे बनाएं:** केलों को टुकड़ों में काटकर फ्रीजर में जमने के लिए रख दें। जब वे पूरी तरह जम जाएं, तो उन्हें मिक्सी में ब्लेंड कर लें। तैयार है एकदम क्रीमी और नेचुरल आइसक्रीम।

बनाना पैनकेक

सुबह की भागदौड़ में यह एक पौष्टिक और फिलिंग ब्रेकफास्ट है। **कैसे बनाएं:** पके हुए केलों को मैश करें और उसमें गेहूं का आटा (या मैदा) और थोड़ा दूध मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। तवे पर हल्का घी या मक्खन लगाकर इसे दोनों तरफ से सेंक लें।

बनाना शेक और स्मूदी

गर्मी में तुरंत ताजगी और ऊर्जा के लिए यह सबसे आसान तरीका है। **शेक:** केला, ठंडा दूध और थोड़ा शहद मिलाकर ब्लेंड करें। **स्मूदी:** इसे और गाढ़ा बनाने के लिए इसमें दही और ढेर सारे ड्राई फ्रूट्स (बादाम, अखरोट) डालें। यह घंटों तक आपका पेट भरा रखेगा।

बनाना केक

पके हुए केलों के कारण केक काफी स्पंजी और सॉफ्ट बनता है। **फायदा:** ज्यादा पके केले खुद ही इतने मीठे होते हैं कि आपको अलग से ज्यादा चीनी डालने की जरूरत नहीं पड़ती। ज्यादा पके केलों का इस्तेमाल करते समय यह जरूर सुनिश्चित कर लें कि वे केवल बाहर से काले पड़े हों और अंदर से खराब या उनमें बदबू न हो। ये रेसिपीज न केवल 'फूड वेस्टेज' को रोकती हैं, बल्कि आपके बजट में भी फिट बैठती हैं।

अनसुने नायकों को सम्मानित करना सबसे कठिन कार्य: राज्यपाल

गुलाब चंद कटारिया बोले- पर्दे के पीछे काम करने वालों को पहचानना गुरुदेव की दूरदर्शिता

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हयात चंडीगढ़ में आर्ट ऑफ लिविंग के देशव्यापी अनसुने नायक पुरस्कार के भव्य सम्मान समारोह के दौरान गहन शांति का वातावरण बना। यह आयोजन संस्था के मानवता की सेवा के 45 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि पंजाब के माननीय राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया रहे। उन्होंने कहा, अनसुने नायकों को सम्मानित करना सबसे कठिन कार्यों में से एक है। जो लोग सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आते, उन्हें पहचानना वास्तव में चुनौतीपूर्ण है, और गुरुदेव श्री श्री रविशंकर का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। अक्सर हम केवल उन्हीं को सम्मानित कर पाते हैं जिन्होंने कुछ बड़ा और दिखाई देने वाला हासिल किया हो, लेकिन जो लोग पर्दे के पीछे रहकर कार्य करते हैं, उन्हें पहचानना गुरुदेव की दूरदर्शिता का प्रमाण है।

जैसा कि कहा जाता है कि महानता के संकेत बचपन से ही दिखाई देने लगते हैं, ऐसा प्रतीत होता है कि गुरुदेव की प्रतिभा जन्म से ही स्पष्ट थी। चार वर्ष की आयु में भगवद गीता का अध्ययन करना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। विश्व भर के लोग इस ज्ञान के लिए उत्सुक हैं। गुरुदेव द्वारा दी गई सुदर्शन क्रिया सम्पूर्ण मानवता के लिए एक वरदान है। गुरुदेव इस बात के जीवंत उदाहरण हैं कि एक व्यक्ति कितने लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकता है।

इतिहास में भारत को विजेताओं के देश के रूप में नहीं, बल्कि शांति की भूमि के रूप में जाना जाता है, और गुरुदेव उस शांति के सच्चे दूत हैं। वे अपने विचार सरल भाषा में व्यक्त करते हैं, इसलिए लोग उनसे गहराई से जुड़ते हैं।

आज जिन लोगों को सम्मानित किया गया है, उन्होंने पहले जीवन में कमाना सीखा और फिर समाज को लौटाना। सेवा को छोटा या बड़ा नहीं मापा जा सकता; चाहे कोई अमीर हो या गरीब, हर व्यक्ति अपनी क्षमता के

पंजाब ने सेवा और प्रेरणा देने वालों का सम्मान किया: आर्ट ऑफ लिविंग ने पूरे भारत से अनसुने नायकों का किया सम्मान

अनुसार सेवा करता है। ये लोग समाज के लिए जो कार्य कर रहे हैं, वह वास्तव में सराहनीय है। गुरु नानक देव जी ने भी सिखाया कि हमें जो मिला है, उसे बांटना चाहिए। हमारे गुरुजी ने मानव जीवन के वास्तविक अर्थ और उद्देश्य को दुनिया के सामने रखा और 'वसुधैव कुटुंबकम्' का संदेश दिया—पूरा विश्व एक परिवार है। गुरु नानक देव जी ने सरल शब्दों में बताया कि वायु हमारी गुरु है और जल हमारे पिता। सेवा ही सच्ची परोपकारिता है। जब मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया, तो मैंने स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस किया।

इस समारोह में पंजाब के उन विशिष्ट परिवर्तनकताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने शांत और निरंतर प्रयासों से समाज में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन लाया है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अनीश दुआ ने इन अनसुने नायकों की प्रेरणादायक कहानियाँ साझा कीं। सम्मान विभिन्न क्षेत्रों—जैसे व्यवसाय और परोपकार, खेल उत्कृष्टता और युवा नेतृत्व—में दिया गया। सम्मानित व्यक्तियों में फतेहगढ़ साहिब से सुधीर गोयल, लुधियाना की मनुख्ता दी सेवा सोसाइटी, पटियाला से मुनीश गोयल, बठिंडा से कर्नल गुलशन मेहता, एस.ए.एस. नगर से विपुल तनेजा, रूपनगर से प्रभात शर्मा, श्री मुक्तसर साहिब से संजीव कुमार टिंकू, बरनाला से साहिल जेठी, फरीदकोट से मनप्रीत सिंह और तेजिंदर सिंह, मोगा से चेतन शर्मा, चंडीगढ़ से रितिका वर्मा और डॉ. संदीप एस. छटवाल, पटियाला के अफ्ढर स्कूल से राजकरण सिंह, फाजिल्का से जसविंदर गिल, फरीदकोट से संदीप कुमार अरोड़ा, फिरोजपुर से डॉ. अनिरुद्ध गुप्ता, जालंधर से डॉ. दिशा खन्ना तथा एस.ए.एस. नगर की संझी सिखिया फाउंडेशन शामिल थे।

सांसद सतनाम सिंह संधू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, यह एक बहुत सुंदर पहल है, जिसमें उन अनसुने नायकों को सम्मानित किया जा रहा है, जो केवल अपने जुनून को पूरा करने और समाज की सेवा करने के लिए बिना किसी अपेक्षा और बिना किसी प्रचार के काम करते हैं। भारत सरकार ने भी अब इसी दिशा में कदम उठाया है और पुरस्कार अब वास्तव में योग्य लोगों को दिए जा रहे हैं। आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाओं को पंजाब को नशे की समस्या से बचाने और जल संरक्षण के लिए अभियान चलाने चाहिए। आर्ट ऑफ लिविंग का कार्य केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भी है, इसलिए लोग गुरुदेव की बातों को ध्यान से सुनते हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम् के गायन से हुई, जिसके बाद दीप प्रज्वलन किया गया।

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर कहते हैं, आध्यात्मिकता का अर्थ है देखभाल और साझा करना; स्वयं को सेवा में समर्पित करना। यदि हम अहिंसा, करुणा और सेवा पर गर्व करें, तो हमारा जीवन एक नई दिशा ले सकता है।

गुरुदेव के तनावमुक्त और हिंसामुक्त समाज के दृष्टिकोण के अंतर्गत, आर्ट ऑफ लिविंग ने पिछले साढ़े चार दशकों में 182 देशों में 100 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, टिकाऊ खेती, जल संरक्षण और युवा नेतृत्व जैसे क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए, यह संस्था निःस्वार्थ स्वयंसेवकों के माध्यम से निरंतर सेवा कर रही है। इसका प्रभाव जेलों तक भी पहुँचा है, जहाँ 65 देशों के 8 लाख से अधिक कैदियों ने आर्ट ऑफ लिविंग के प्रिजन रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव किया है।

इस आनंदमयी सेवा की भावना ने भारत में कई प्रभावशाली जमीनी कार्यक्रमों को जन्म दिया है। देशभर में 1,356 निःशुल्क विद्यालयों के माध्यम से 1.2 लाख से अधिक बच्चों को शिक्षा मिल रही है, विशेषकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में। स्वयंसेवकों द्वारा बनाए गए हजारों जल संरक्षण ढांचे कई राज्यों में भूजल स्तर सुधारने में सहायक हुए हैं। प्राकृतिक और शून्य-बजट खेती के माध्यम से लाखों किसानों ने टिकाऊ खेती अपनाई है, जिससे लागत कम हुई है, मिट्टी की गुणवत्ता सुधरी है और परिवारों को कर्ज से मुक्ति मिली है।

जिला की मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है गेंहू की खरीद और उठान का कार्य

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला

अब तक 35771 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद तथा 25972 मीट्रिक टन गेंहू का हुआ उठान

जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की खरीद एवं उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 35771 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 25972 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4744 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 13083 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7830 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8484 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1630 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 3966 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 7511 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 6984 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 6506 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1005 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

332 विद्यार्थियों को मेडल व प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

राजकीय महाविद्यालय कालका में भव्य पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

अनुशासन, परिश्रम और समर्पण से सफलता संभव: डॉ. तनेजा

सिटी दर्पण संवाददाता

पंचकूला/कालका

राजकीय महाविद्यालय कालका में पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा ने मुख्य अतिथि डॉक्टर सुनील तनेजा का स्वागत किया और महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शैक्षणिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ सुनील तनेजा प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय छछरौली ने समारोह की गरिमा को बढ़ाया और विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमें आज के दिवस को उत्सव की तरह मनाना चाहिए। उन्होंने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी और प्रेरणादायक भाषण दिया। उन्होंने कहा कि असफलता ही सफलता की जननी है। यदि हम असफल होते हैं तो उससे सीख लेकर आगे बढ़े और अपने लक्ष्य की और निरंतर प्रयास करते रहे। एक सफल व्यक्ति वही होता है जो हर क्षेत्र में संतुलन बनाए रखता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझता है। हमेशा बड़े सपने देखिए और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ प्रयास कीजिए, सकारात्मक सोच रखें और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहे। मुख्य अतिथि डॉक्टर सुनील तनेजा ने विद्यार्थियों को जुगनू का उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे जुगनू बहुत छोटा होता है लेकिन अपनी छोटी सी रोशनी से अंधेरे को चुनौती देता है। जुगनू हमें सिखाता है कि चाहे परिस्थितियों कितनी भी कठिन क्यों ना हो अगर हमारे भीतर आत्मविश्वास और हिम्मत की रोशनी है तो हम अपना रास्ता खुद बना सकते हैं। हमें जुगनू की तरह बनकर अपने छोटे-छोटे प्रयासों से अपने जीवन को रोशन करना चाहिए और समाज में भी उजाला फैलाना चाहिए। पुरस्कार वितरण समारोह की संयोजक डॉ मीनू ख्यालिया रही। कुल 332 विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए जिसमें 304 छात्रों को उनकी एकेडमिक उत्कृष्टता के लिए, 23 छात्रों को सांस्कृतिक क्षेत्र में, 02 छात्रों को एनएसएस में, 02 छात्रों को खेलकूद में और 01 छात्र को विज्ञान प्रदर्शनी में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार मिला। कई विद्यार्थी पुरस्कार ग्रहण करते समय अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित थे जिससे यह कार्यक्रम और भी यादगार और भावुक हो गया। अभिभावकों की उपस्थिति ने गर्व और प्रोत्साहन का संचार किया जो संस्थान और परिवारों के बीच मजबूत बंधन को दशार्ता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

नीट परीक्षा चंडीगढ़ के 6 केंद्रों पर सफलतापूर्वक संपन्न

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा आवंटित 6 परीक्षा केंद्रों पर नीट-2026 परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कुल 2854 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 2776 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। इस प्रकार, शहर में 97 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा का संचालन अमनदीप सिंह भट्टी, एडीसी चंडीगढ़ एवं ईशा कम्बोज, एसडीएम साउथ चंडीगढ़ के मार्गदर्शन एवं प्रशासनिक सहयोग में सुचारु रूप से किया गया। एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं केवी सेक्टर-47, चंडीगढ़ के प्रिंसिपल श्री वीरेंद्र सिंह ने नीट-2026 परीक्षा के सफल आयोजन में सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए चंडीगढ़ प्रशासन का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

चंडीगढ़ में बदला मौसम का मिजाज, पंचकूला और मोहाली में तेज आंधी के साथ बरसे बदरा

चंडीगढ़। रविवार की छुट्टी का आगाज काले घने बादलों के पहरे के साथ हुई। आसमान में उमड़े बादलों ने ऐसा डेरा डाला कि सुबह के वक्त ही रात जैसा नजारा बन गया। सड़कों पर गाड़ियों को हेडलाइट्स जलाकर चलना पड़ा। 50 किमी/घंटा की रफ्तार से चलीं हवाएंमौसम ने अचानक करवट ली और देखते ही देखते करीब 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज तूफानी हवाएं चलने लगीं। बादलों की कड़कड़ाहट और बिजली की चमक के बीच शुरू हुई मूसलाधार बारिश ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया। तूफान का असर शहर के बुनियादी ढांचे पर भी देखने को मिला। हवाओं का वेग इतना तेज था कि शहर के कई इलाकों में पुराने और भारी-भरकम पेड़ जड़ से उखड़कर सड़कों पर आ गिरे। इसके चलते कई मुख्य मार्गों पर लंबा जाम लग गया और यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

पीजीआई चंडीगढ़ को मिला नया चिकित्सा अधीक्षक प्रो. अशोक कुमार ने संभाली दोहरी जिम्मेदारी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

उत्तर भारत के सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों में से एक, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। संस्थान के हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के वरिष्ठतम प्रोफेसर, प्रो. अशोक कुमार को पीजीआई का नया चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया है। पीजीआई निदेशक द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के बाद उन्होंने तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार संभाल लिया है।

प्रो. अशोक कुमार अब संस्थान में दोहरी भूमिका निभाएंगे। चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी के साथ-साथ वे हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग के विभागाध्यक्ष का पद भी संभालते रहेंगे, जिसकी जिम्मेदारी उन्हें हाल ही में 30 अप्रैल को सौंपी गई थी।

तीन दशकों का अनुभव: मेरठ से शुरू हुई करियर की यात्रा

प्रो. अशोक कुमार का चिकित्सा और प्रशासनिक करियर बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अपनी चिकित्सा शिक्षा उत्तर प्रदेश के छ.छ.फट. मेडिकल कॉलेज, मेरठ (मेरठ विश्वविद्यालय) से प्राप्त की, जहाँ से उन्होंने वर्ष 1992 में टइइर और 1996 में कम्युनिटी मेडिसिन में टउ्की डिग्री हासिल की। उनके करियर की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं। प्रारंभिक सेवा: वर्ष 1996 में उन्होंने भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय के तहत पश्चिम बंगाल के 'फरक्का बैराज प्रोजेक्ट हॉस्पिटल' में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य किया। पीजीआई में आगमन: वर्ष 2000 में वे पीजीआई चंडीगढ़ में उप चिकित्सा अधीक्षक के रूप में शामिल हुए और 2008 में हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में सहायक प्रोफेसर बने। प्रोफेसर का पद: अपनी शैक्षणिक और प्रशासनिक दक्षता के बल पर वे निरंतर पदोन्नत होते रहे और वर्ष 2018 में संस्थान में प्रोफेसर नियुक्त किए गए। प्रो. अशोक कुमार की प्रशासनिक क्षमताओं का लाभ केवल पीजीआई चंडीगढ़ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने देश के कई अन्य प्रमुख एम्स (AIIMS) संस्थानों के संचालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। AIIMS ऋषिकेश:वर्ष 2012 से 2015 के बीच, उन्हें एम्स ऋषिकेश के 'कमीशनिंग' (संचालन की शुरूआती प्रक्रिया) हेतु विशेष रूप से चिकित्सा अधीक्षक नियुक्त किया गया था। AIIMS रायबरेली:वे जुलाई 2018 से लगातार एम्स रायबरेली में चिकित्सा अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं और संस्थान के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में सक्रिय रहे हैं। पीजीआई सैटेलाइट सेंटर, संगरूर:वर्ष 2016 से वे संगरूर (पंजाब) स्थित पीजीआई के सैटेलाइट सेंटर के नोडल अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। प्रो. अशोक कुमार का लोहा अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा जगत भी मानता है। वर्ष 2013 में उन्हें जकार्ता (इंडोनेशिया) में हल्ड्ड फेलोशिप से सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023 में उन्हें रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (लंदन) द्वारा FRCP (London) की प्रतिष्ठित उपाधि और FIAPSM से नवाजा गया। अकादमिक क्षेत्र में भी उनका योगदान सराहनीय है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके 50 से अधिक शोध-पत्रप्रकाशित हो चुके हैं। वे प्रधान मंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (PMSSY) और 'कायाकल्प' जैसी कई राष्ट्रीय समितियों के सदस्य भी रहे हैं। पीजीआई चंडीगढ़ में चिकित्सा अधीक्षक के रूप में उनकी नियुक्ति से अस्पताल के प्रशासनिक कार्यों में और अधिक पारदर्शिता और दक्षता आने की उम्मीद है, जिससे उत्तर भारत से आने वाले हजारों मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकेंगी।

पंजाब में संवैधानिक संकट: सुनील जाखड़ ने राज्यपाल से की मुलाकात

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

मान सरकार के 'विश्वास मत' को बताया लोकतंत्र का अपमान

पंजाब की राजनीति में एक बार फिर भूचाल आ गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने आज पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात कर भगवंत मान सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जाखड़ ने विधानसभा में पारित किए गए विश्वास मत को 'शर्मनाक' करार देते हुए मुख्यमंत्री पर मुख्य सचिव को धमकाने और संवैधानिक मयार्दाओं को तार-तार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मुलाकात के बाद पंजाब की सियासत में गर्माहट बढ़ गई है और भाजपा ने इस मुद्दे को अब दिल्ली तक ले जाने का ऐलान कर दिया है।

राज्यपाल से भेंट करने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए सुनील जाखड़ ने विधानसभा सत्र के दौरान पारित विश्वास मत पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (अअढ) ने सदन में जो विश्वास मत हासिल किया है, वह पंजाब की जनता की नजरों में एक मजाक और शर्मनाक घटना है। जाखड़ ने तंज कसते हुए कहा, उन्होंने खुद के बीच ही विश्वास मत पारित कर लिया। यह पंजाब के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की एक नाकाम कोशिश है। इतना ही नहीं, जाखड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के आचरण पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री के सदन में व्यवहार की आलोचना करते हुए यहां तक कह दिया कि शायद राज्य की सत्ताधारी पार्टी की सोच यह है कि मुख्यमंत्री को 'नशे की हालत' में भी सदन की गरिमा को दरकिनार कर उपस्थित होने की अनुमति है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने सदन की पवित्रता को ठेस पहुंचाई है, जो पंजाब के लोकतांत्रिक इतिहास में एक काला अध्याय है। जाखड़ की शिकायत का सबसे संवेदनशील हिस्सा नौकरशाही से जुड़ा रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री पर राज्य के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी, मुख्य सचिव के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें डराने-धमकाने का संगीन आरोप लगाया। जाखड़ ने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे इस मामले की गहराई से जांच करें।

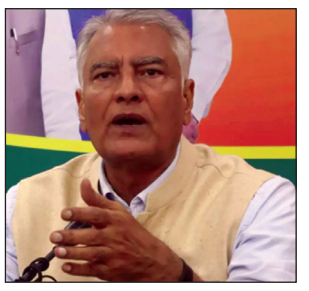

उन्होंने कहा, राज्यपाल को मुख्य सचिव से व्यक्तिगत रूप से बुलाकर बात करनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। भाजपा अध्यक्ष ने राज्य में प्रशासनिक सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा कि अगर ईमानदार अधिकारियों को मुख्यमंत्री के स्तर पर धमकाया जाएगा, तो वे निष्पक्ष रूप से काम कैसे कर सकेंगे? उन्होंने मांग की कि नौकरशाही को राजनीतिक दबाव से मुक्त किया जाए और उनकी मयार्दा की रक्षा की जाए। जाखड़ के अनुसार, पंजाब में अफसरशाही इस समय भारी दबाव और डर के साये में काम कर रही है, जिससे राज्य का विकास पूरी तरह ठप हो गया है। सुनील जाखड़ ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी मान सरकार को आड़े हाथों लिया।

उन्होंने हाल ही में जेल से बाहर आए दागी और भ्रष्ट व्यक्तियों को सरकारी सुरक्षा दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। जाखड़ ने सवाल किया, भ्रष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा कवच प्रदान करना समाज को क्या संदेश देता है? यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए ऐसे तत्वों का सहारा ले रही है। मुलाकात के अंत में जाखड़ ने स्पष्ट कर दिया कि यह मामला अब केवल पंजाब की गलियों तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने इसे भारतीय संविधान के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा बताते हुए घोषणा की कि पंजाब भाजपा इस पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय स्तर पर उठाएगी।

धार्मिक

देवभूमि कुल्लू में गूंजा मानवता का दिव्य संदेश, आस्था श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का भव्य संगम

बुराइयों को छोड़कर केवल अच्छाइयों को अपनाए: सतगुरु माता सुदीक्षा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़/ पंचकूला/मोहाली/कुल्लू

जिला कुल्लू के ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में आयोजित संत निरंकारी मिशन का भव्य समागम केवल एक अध्यात्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का जीवंत उत्सव बनकर उभरा। विशाल मैदान में उमड़े हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त एवं जन समूह इस बात का प्रमाण थे कि आध्यात्मिकता आज भी लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण आधार है। हिमाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए हजारों भक्तों ने सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दर्शन कर आत्मिक शांति और प्रेरणा का अनुभव किया।

इस समागम से पूर्व युवाओं को आध्यात्मिक जागृति देने के लिए निरंकारी युथ सिंपोजियम कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। आज एक विशाल सतसंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें सतगुरु माता जी ने अपने प्रेरणादायक विचारों में कहा कि सच्ची भक्ति वही है, जिसमें बुराइयों को छोड़कर केवल अच्छाई को अपनाया जाए। यह मात्र भक्ति नहीं, बल्कि प्रेमा भक्ति है, जो दिलों को जोड़ने का कार्य करती है। सतगुरु माता जी ने समझाया कि आज हम अक्सर दूसरों की गलतियां निकालने में अपना कीमती समय गंवा देते हैं, जबकि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर झांकें और नफरत को खत्म कर प्रेम और भाईचारे की भावना को बढ़ाएं। ुवाओं के संदर्भ में कहा कि उन्हें गलत ठहराना आसान है, लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि उनकी राह में आने वाली चुनौतियों को समझना भी आवश्यक है। अंत में सतगुरु माता जी ने सभी को संदेश दिया कि दिल से नफरत मिटाकर प्रेम, सहनशीलता और सकारात्मक सोच के साथ जीवन जिएं—यही सच्ची भक्ति और मानवता की पहचान है। समागम का वातावरण पूर्णतः भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत था। सतगुरु माता जी के दिव्य प्रवचनों ने जीवन के वास्तविक उद्देश्य को सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रेम, भाईचारा, एकता और नम्रता को जीवन का मूल आधार बताते हुए सभी को इन मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। विशेष रूप से युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने सकारात्मक सोच, सही मार्गदर्शन और सत्संग के महत्व पर जोर दिया, जो जीवन को सफल और सार्थक बनाने में सहायक है। इस आयोजन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि प्रदेश के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों - जैसे पांगी, चंबा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उनका उत्साह और समर्पण इस बात को दशार्ता है कि सच्ची आस्था हर बाधा को पार कर सकती है। मंडी जोन के जोनल इंचार्ज डॉ. आर.के. अभिलाषी ने सर्व प्रथम सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी का हृदय से स्वागत किया एवं साथ ही जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और सभी विभागों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस आयोजन की सफलता के लिए महात्माओं की निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और सुव्यवस्थित प्रबंधन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, स्वच्छता और सेवा भावना का जो उदाहरण देखने को मिला, वह प्रेरणादायक था।

निसंदेह यह दिव्य संत समागम न केवल आध्यात्मिक जागृति का माध्यम बना बल्कि समाज में प्रेम सद्भाव और एकता का सशक्त संदेश बनकर उजागर हुआ। कुल्लू की पावन धरती पर आयोजित यह आयोजन श्रद्धालुओं के मन में एक अमिट स्मृति के रूप में प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।